ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय (कांगड़ी)

वार्षिक परीक्षायाम् सं० १९६६

नवमश्रेण्या

महाभाष्यस्याङ्गाधिकारस्याद्येपादत्रये प्रश्नाः ।

(स० घ० २½) पूर्णाङ्काः पञ्चाशत् ।

[१] हनः क्वावुपधादीर्घत्व प्रसङ्ग इतिवार्तिकम्प्रयोजन पुरस्सरम्प्रत्याख्याय अत्वसन्तस्य दीर्घत्वे पित उपसंख्यानमितिवार्तिकस्य फलंवद । १०

[२] निष्ठायां सेटीति सूत्रेसेड्ग्रहणस्य, गोहिग्रहणंविषयार्थं मयादेश प्रतिषेधार्थं ञ्चेतिवार्तिकस्य च फलं सम्यङ्निरूप्योभयम्प्रत्याचक्ष्व । १०

[३] इकोऽचीति सूत्रेऽज्ग्रहणस्य फलं साधूपपादय । १०

[४] आर्द्धधातुकस्येड्वलादेरितिसूत्रे-आर्द्धधातुकग्रहणम्प्रत्याख्याहि १०

[५] अदसऔसुलोपश्चेति सूत्रेण सोरेवौत्वविधाने काविप्रतिपत्ति रितिस्पष्टंवद । १०

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय काङ्गड़ी

वार्षिक परीक्षा १९६३

९ श्रेण्याः

निरुक्ते प्रश्नाः

पू० ५० समय २ घंटे

[४] चिदिति निपातः केषु केष्वर्थेषु प्रयुज्यमान उपलभ्यत इतिसोदाहरणं निरूपय।

[५] अक्षण्वन्तः कर्णवन्तः सखायो मनोजवेष्वसमा बभूवुः आदघ्नास उपकक्षास उत्वे ह्रदाइव स्नात्वा उत्वे ददृश्रे। इमामृचं भाष्यादिशाऽत्रत्यं विशेषमभिव्यञ्जन् व्याचक्ष्व।

[२५] अथापीदमन्तरेण मन्त्रेष्वर्थप्रत्ययो न विद्यतेऽर्थम प्रतियतो नात्यन्तं स्वरसंस्कारोद्देशस्तदिदं विद्यास्थानं व्याकरणस्य कार्त्स्न्यं स्वार्थसाधकञ्च, 'अवसाय पद्वते रुद्रमृळ' 'अवसायाश्वान्' 'ओघो, मेघो, नाधो, गाधो, वधू, मधिवाति, 'दण्ड्यः पुरुषः' 'य ईं चकार न सो अस्य वेद य ईं ददर्श हिरुगिन्नु तस्मात्-समातुर्यो नापरिवीतो अन्तर्बहुप्रजा निर्ऋतिमाविवेश न हि ग्रभायारणः सुशेवोऽन्योदर्यो मनसा मन्तवा उ अधाचिदोकः पुनरित्स एत्यानो वाज्यभीषालेतु नव्यः। इमंग्रन्थं यास्कोक्तनिर्वचन प्रक्रियामनुसरन् मन्त्रभावञ्चाभिप्रदर्श्य व्याचक्ष्व।

[१६] प्रियमेधवदत्रिवज्जातवेदो विरूपवत्-अङ्गिरस्वन् महिव्रत प्रस्कण्वस्य श्रुधी हवम्-इमांव्याख्यन्नत्रि,जातवेदो, ऽङ्गिरः प्रस्कण्व, भृगुशब्दनिर्वचनमुक्त्वा कौत्समतं खण्डय।

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय काङ्गड़ी

वार्षिक परीक्षा १९६६

९ श्रेण्याः

दर्शनं

पू० ५० समय २½ घंटे

[१०] न स्वभावतो बद्धस्य मोक्षसाधनोपदेशविधिः १

न कालयोगतो व्यापिनो नित्यस्य सर्वसम्बन्धात्

इमेसूत्रे स्पष्टं व्याचक्ष्व २

[१०] स्थिरकार्यासिद्धेः क्षणिकत्वम् ३

न विज्ञानमात्रं बाह्य प्रतीतेः ४

अत्र सूत्रद्वयोक्तं पक्षमुपपाद्य सूत्रोक्त रीत्या खण्डय

[१०] सांख्योक्तदिशा पुरुषबहुत्वमुपपादय

[१०] द्रव्यगुणकर्मणां साधर्म्यं ब्रुवन् गुणलक्षणं काचिल्लक्ष्येसङ्गमयन्नाचक्ष्व

[१०] द्रव्याणां द्रव्यं कार्यं सामान्यम्-गुणवैधर्म्यान्नकर्मणांकर्म--इमे सूत्रे व्याख्याहि

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय काङ्गड़ी

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९६६

९ म श्रेण्याः

साहित्ये (क)

समयो घण्टाद्वयम् पूर्णाङ्कः ७५

[१४] काव्यस्य लक्षणमाख्याय तदुत्पत्ति सामग्रीं वर्णय

[१०] यशस्ते समुद्रान् सदारोरगारेः
सदारोरगारेः समानाङ्क कान्तेः
स्वैरं विहरति स्वैरं शेते स्वैरं च जल्पति
भिक्षुरेकः सुखी लोके राजचोर भयोज्झितः
किमेषं शाघ्यमाख्याति पक्षिणं कः कुतोयशः
गरुडः कीदृशोनित्यं दानवारि विराजतः
एतानि केषामलङ्काराणामुदाहरणानीति लक्षणोल्लेख पुरस्सरं संगमयस्व—

[७] गहनमस्त शराद मृगव्रजं कृतवताप्यमुना जवि वाजिना
स्तनुगिरे हरयो मदशालिनो मनुजपेन गिरीश दरीशयाः

[७] जन्मोत्सवो महानेषां जल मत्यच्छ मावहन्
विद्यामनन्य सामान्यां व्रीडां कुम्भ भुवोऽनयत्

[७] सामोदो भीमसम्भूति सम्भूता शौचवत्तया
संकुचन्निव संस्पर्शे समीरो मन्दमाववौ—

[१२] द्यावाभूमीनिरुन्धन्यदुबल रजसां श्रेणिभिःसीरपाणि
र्वेगादागात् स वीरः स्वविनय गुरुणा शौरिणाऽन्वीयमानः
आहारश्चाऽऽयुधस्य द्विषदक्षमतये येन संसेव्यमाने
तेद्वे हालाहलत्वं रणभुविवहतो नामतः ख्यातश्च

[९] दृष्ट्वान्नृपोदेव मुनिं विनीतो मौलिस्रजां धूलि मधूलिवृन्दैः
सपङ्कमाधाय तदङ्घ्रियुग्मं विपङ्क मात्मानमयं व्यतानीत्

[९] सेव्यां वृसीमधि गतस्य विरिञ्चि सूनो
रास्याय सन्निधि मुदारमुदां कुरूणाम्
तस्याऽद्भुता गमनहेतु परिच्छिदायां
चित्तानि दूर पथ वर्तनतामवापुः

एते श्लोका विशदं व्याख्ये याः

* ओ३म् *

गुरुकुल विद्यालय काङ्गड़ी

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९९६

९ म श्रेण्याः

साहित्य (ख)

समय २ घण्टे पूर्णाङ्क : ७५

निम्न वाक्यान्यार्य भाषायाम्परिवर्त्य लोकोक्तीनाञ्च प्रयोग स्थलानि निदर्शय—

पायित्वा जीर्णमार्जारी दुग्धं निति कस्यात्क्रम्

करस्थं कङ्कणं न दर्पणे दृश्यते

मुण्डित मुण्डो न नक्षत्राणि पृच्छसि ॥

न कुत्र मेऽरण्ये वा कस्तूरिका विक्रीयते

ही ही भोः—आश्चर्यम् कौशाम्बी राज्यलाभे नापि न प्रिय वयस्यस्य हृदयाभिलाष आसीद्यादृशो मत्सकाशादद्य प्रिय वचनं श्रुत्वा भविष्यतीति तर्कयामि तद् यावद् गत्वा प्रिय वयस्यस्यनिवेदयिष्ये

कथमेष प्रियवयस्यो यथेमामेवदिशमवलोकियँ तिष्ठति तथा तर्कयामि मामेव प्रतिपालयति—तद् यावदेन मुपसर्पामि केचित्कर्तृ रूपमेवात्मान मिच्छन्ति-तथाहि-विषय सान्निध्ये या ज्ञान लक्षणा क्रिया समुत्पन्ना तस्या विषय संवित्तिःफलम् तस्याञ्च फल रूपायां संवित्तौ स्वरूपं प्रकाशरूपतया प्रति भासते विषयश्च ग्राह्यतया, आत्मा च ग्राहकतया, घटमहं जानामीत्याकारेण तस्याः समुत्पत्तेः क्रियायाश्च कारणं कर्तैव भवतीति कर्तृत्वं भोक्तृत्व ञ्चात्मनो रूपमिति—

निम्नवाक्यानि देव गिराऽनुवद

संसार में कौन है जो प्रसन्नता न चाहता हो प्रायः प्राणियों की सभी क्रियायें प्रसन्नता के लिये हैं–जगत् में शायद कोई भी ऐसा न होगा जो कुछ चाहता न हो और जिसे चाहता है वह उस की प्रसन्नता का साधन अवश्य है परन्तु भोले लोग प्रसन्नता के साधनों को दुःख मय प्राकृत पदार्थों में ढूंढते हैं इसी लिए संसार में कोई भी ऐसा नहीं जो नितान्त सुखी हो–यदि काम्य वस्तु के मिलने पर किसी को सुख होता है तो उस का कारण उस समय बाहर भटकती हुई वृत्ति का केवल अन्तर्मुख होना ही है इसी लिये किसी ने कहा है कि नानक दुखिया सब संसार–जो सुखिया सो राम अधार

इति ॥

१ त्रिंशता पङ्क्तिभिः प्रस्तुतं निबन्धंनिम्नेष्वन्यतमेनोपसंहर
जायन्ते च म्रियन्ते च मद्विधाः क्षुद्र जन्तवः
अनेनसदृशो लोके न भूतो न भविष्यति

२ मनोवृत्तिः पुंसां भवति जयिनी कापि महतां
यया दुःखं दुःखं सुखमपि सुखं वा न भवति

३ यच्च काम सुखं लोके यच्च दिव्यं रसायनम्
तृष्णाक्षय सुखस्यैते नार्हतः षोडशीं कलाम्

॥ ओ३म् ॥

॥ गुरुकुल विद्यालय कांगड़ी ॥

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन सं॰ १९८६

नवम श्रेणी गणित (क)

पूर्णाङ्क ७८

I $\frac{३·१२५}{२·१६}$ का $\frac{२·\dot{४}}{·१२५}$ ÷ $\frac{२·\dot{२}}{१·५}$ का $\frac{१८७·५}{३·४२}$ इस को सरल करो । ६

II एक मनुष्य ने कुछ जायदाद २००० पौंड में मोल ली और उसी समय ५ महीने के इकरार पर २२८७ पौंड १० शि॰ में बेच डाली । यदि व्याज की दर ४% प्रति साल हो तो बताओ इस समय वह कितने % लाभ में रहा ७

III कितना धन ४% और ३ बट्टे के कागज में लगाया जावे कि उतनी ही आमदनी प्राप्त हो जितनी १०२०० रु० ४½% और १०२ की दर में लगाने से प्राप्त होती है । ८

IV क और ख ने समान पूंजी से वणिज आरम्भ किया । कुछ समय के अन्त में क को अपनी पूजी का ¼ लाभ हुआ और ख को २०० रु० की हानि हुई । ख के पास अब क के पास का ⅓ है तो प्रत्येक के पास पहले क्या था । ८

V एक मनुष्य ने २८००) से ९० के भाव से ४% व्याज का कागज और ९५ के भाव से ५½% प्रति सैकड़ा व्याज की दर का मोल लिया । उस की कुल आमदनी १३०) है । तो उस ने प्रत्येक कितना काग़ज मोल लिया । ८

VI $\frac{१}{(च-य)(क्ष-ज)} + \frac{१}{य(य-च)(य-ज)} + \frac{१}{ज(ज-क्ष)(ज-य)}$ इस को सरल करो । ८

VII लघुतम समापवर्त्य और महत्तम समापवर्तक के अर्थ उदाहरण देकर भली प्रकार समझाओ ।

क. $२० क्ष^{४} - ३ क्ष^{३} य + य^{४}$ और $६४ च^{४} - १ च य^{३} + ५ य^{४}$ इन का महत्तम समापवर्तक निकालो ।

ख. $च^{२} - ३ च - ४०$, $३ च^{३} - ७५$, $च^{२} - ६४$, $च^{३} + ३ क्ष - ४०$ १०

इन का लघुतम समापवर्तक निकालो ।

VIII निम्न लिखित समीकर्णों को सरल कर के च, य, ज इत्यादि के मान बताओ ।

(क) $क्ष + २ य + ३ ज = २०$

$२ च + ३ य - ५ ज = - ७$

$४ च - ५ य + ७ ज = २१$

ख $\frac{क्ष - अ}{अ} + \frac{च - ब}{ब} + \frac{क्ष - स}{स} = ०$ १२

IX कोई मनुष्य ६० दिन के लिये इस इकरार पर नौकर रक्खा गया कि जिस दिन काम करे उस दिन ।।।≡) मिलेंगे और जिस दिन काम न करे उस दिन ।-) दण्ड दिया जायेगा नियत समय के अन्त में उस को १५) मिले तो बताओ उस ने कितने दिन काम किया । ८

॥ ओ३म् ॥

गुरुकुल विद्यालय कांगड़ी

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९६६

गणित ९म श्रेणी (ख)

पूर्णाङ्कः ७५

I. यदि किसी रेखा के दो हिस्से किये जायें। तो सिद्ध करो कि कुल सीधी रेखा और एक हिस्से पर का वर्ग बराबर होगा कुल रेखा और उसी हिस्से के धरातल के दूने और दूसरे हिस्से पर के वर्ग के। १०
इस के तुल्य बीजगणित का फार्मूल्य लिखो।

II. सिद्ध करो किसी चतुर्भुज की भुजों पर के वर्गों का योग इस के कर्णों पर के वर्गों के योग से उस रेखा के चौगुने वर्ग के बराबर बड़ा होता है। जो कर्णों के मध्य बिन्दुओं को मिलाती है। १०

III. सिद्ध करो कि वृत्तार्द्ध का अन्तर्गत कोण समकोण होता है।
एक ऐसी त्रिभुज बनाओ जिस का आधार शीर्ष कोण और शेष दो भुजों का योग दिया हो। १५

IV. एक समत्रिबाहु त्रिभुज और एक वर्ग एक ही वृत्त में बनाये गये हैं तो सिद्ध करो कि त्रिभुज की भुज पर के वर्ग का दूना बराबर होगा। वर्ग की भुज पर के वर्ग के तिगुने के। ९+१

V. एक दिए हुए वृत में एक सम पंचभुज क्षेत्र बनाओ। ९+१

VI. एक वृत खंड में चाप की जीवा १ गज़ और चाप की उंचाई १ फुट ८ इंच है। तो उस वृतखंड का क्षेत्रफल क्या होगा। ८

VII. एक त्रिभुज की तीनों भुजाएं ६१–९१–१०० फीट क्रमशः हैं। तो उस के अन्तः लिखत बहि लिखत वृतों के क्षेत्रफल बताओ। ६

VIII. किसी वृत के बाहर खैंचे हुए समत्रिबाहु त्रिभुज की भुज ८ फीट है। तो वृत के अन्दर खिचे हुए सम-त्रिबाहु त्रिभुज का क्षेत्रफल बताओ। ८

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय (काङ्गड़ी)

वार्षिक परीक्षा (फाल्गुन १९६६)

९ म श्रेणी

भौतिकी

समय ३ घण्टा पूर्णाङ्काः १००

I स्पष्ट समझाओ कि किस प्रकार एक छोटा सा छिद्र एक पर्दे पर किसी वस्तु की प्रतिमा डाल सक्ता है?

एक अंधेरे कमरे में खिड़की के किवाड़ में एक छोटे छिद्र द्वारा एक मकान (जो ३० फुट दूर है) की प्रतिमा छिद्र से ६ इंच दूर एक पर्दे पर पड़ रही है । प्रतिमा ९ इंच ऊंची है । बताओ मकान कितना ऊंचा है? ८

II बुन्सन के फ़ोटामीटर के द्वारा व्यस्त वर्गों का नियम सिद्ध करो।

फ़ोटामीटर के बिम्ब की एक एक ओर पर एक एक प्रकाश का समान समान निकास रखा हुआ है। एक तो बिम्ब से २० सेंटीमीटर दूर है और दूसरा ३० सेंटीमीटर। बिम्ब के दोनों पार्श्वों पर चमक की गाढ़ताओं का मुकाबला करो। ८

III एक गुरुत्वोन्मुख समतल दर्पण गुरुत्वोन्मुख धुरे पर जो दर्पण के ही धरातल में है घूमता है। प्रकाश की एक दिगन्त सम पेन्सिल उस दर्पण पर पड़ रही है तो सिद्ध

करो कि प्रतिक्षिप्त पेन्सेल के घुमाव का वेग दर्पण के वेग से दुगुना है। ८

IV दो दर्पण एक दूसरे की ओर सम कोण पर झुके हैं प्रकाश का एक किरण पहिले एक दर्पण से प्रतिक्षिप्त हो कर दूसरे दर्पण पर जा प्रतिक्षिप्त होता है तो सिद्ध करो कि दूसरे प्रतिक्षेप के पश्चात् किरण अपनी मूल दिशा के समानन्तर जा रहा है।

एक दूसरे की ओर झुके हुए दर्पणों में प्रतिमाओं का बनना किस नियम से बद्ध है? उक्त अवस्था में एक जलती बत्ती की कितनी प्रतिमाएं प्राप्त होंगी। ८

V गोल दर्पण में वस्तु तथा प्रतिमा तथा फ़ोकस की दूरी को जोड़ता हुआ फ़ारमूला लिखो और उसे गणित से सिद्ध करो।

एक वस्तु ५ सेंटीमीटर लम्बी एक गर्ती (अन्तर्गोल) दर्पण से ४० सेंटीमिटर की दूरी पर धरी है। दर्पण के फ़ोकस की दूरी २४ इंच है। केवल चित्र द्वारा प्रतिमा का आकार, तथा दूरी निकालो। १५

VI प्रकाश के विचलन के नियम बताओ। एक चित्र द्वारा क्रिटीकल कोण की व्याख्या करो। मृग तृष्णिका क्या होती है और कैसे बनती है? ९

VII गूंज क्या होती है? गूंज की उत्पत्ति के लिये उचित अवस्थाएं बताओ। ६

VIII अनुनादक क्या होते हैं? उन के कार्य की यथाशक्ति पूरी पूरी व्याख्या करो। एक बंद मुरली की लम्बाई बताओ; जब उसे फूंकते हैं २५६ वेपन प्रति सेकण्ड देती है, वायु का तापपरिमाण १५° श है। ८

IX गैसों के समान फैलाव तथा सिकुड़ाव पर चार्लिस तथा बोईल के नियम बताओ।

किसी गैस पर दबाव दुगुना किया जाता है और साथ ही उस का तापपरिमाण ०° से ९१° कर दिया जाता है। तो परिमाण में क्या परिवर्तन आयगा ? ८

X भाप का विलीनताप क्या होता है ? और कितना होता है ?

१००° श पर का भाप ०° श पर के १०० ग्रैम बर्फ़ में गुज़ारते हैं। भाप के कितने ग्रैम बर्फ़ को पिघलाने को चाहियें ? ८

XI ओस-बिन्दु जिस यंत्र से निश्चित करते हैं उस का वर्णन करो। ओस-बिन्दु से तुम क्या समझते हैं ? ६

XII यदि बर्फ़ के १० ग्रैम जो जमाव के बिन्दु पर है १८° श. के १०० ग्रैम जल में डाले जाते हैं। जब सारा बर्फ़ पिघल जाय तो तापपरिमाण क्या होगा ? ८

* ओ३म् *

गुरुकुल विद्यालय काङ्गड़ी

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९६६

पदार्थ वि० मौखिक ।

नवम श्रेणी

समय घण्टा — पूर्णाङ्काः ५०

I. बाइल की नली (Boyle Tube) को पहिचानो और परीक्षण द्वारा बाइल महाशय का नियम सिद्ध करो।

II. डनीयल का क्लेद मापक (Daniel's Hygrometer) पहचानो और समझाओ कि इस यंत्र द्वारा ओस बिन्दु (Dew-point) कैसे मालूम करोगे।

III. शब्द मापक (Sonomoter)—इस यंत्र को पहिचानो और इस से शब्द-क्षेपनों के नियम सिद्ध करो।

IV. बुंसन का छायामापक (Bunsen's Photometer) किस नियम पर बनाया गया है और इस से प्रकाश का कौन सा नियम सिद्ध करते हैं कर के दिखाओ।

V. निम्न लिखित यंत्रों को पहचानो और उनके प्रयोग बताओ। (१) (Hope's apparatus) होप्स यंत्र (२) लेज़ली का घन (Leslie Cube) (३) लीबेग का घनीकरण (Liebig's Condenser) (४) त्रिशूल (५) स्वरणी (Tunic fork and Syren)

। ओ३म् ।

The Gurukula Vidyalaya.

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९६६

९म श्रेणी

ENGLISH PAPER (A).

MARKS 60. Time 2 hours.

I. (*a*) In every train there is a guard, who has a carriage for himself, called the guard's van. When the train stops at a station, he has to see that the passengers who are leaving the train get their luggage out of the van. When the luggage of new passengers is put in.

When all the passengers are seated, and the carriage doors shut, the guard signals to the driver with a green flag, or, if it is night, with a green lantern. When as the train moves off he jumps into the van again, and begins to get ready the luggage for the next station. 15

(*b*) One morning, when the thievish crows had been particularly troublesome, he appeared as if seriously ill: he closed his eyes, drooped his head, and showed various other signs of severe suffering. No sooner was his daily food placed at the foot of the bamboo, than the crows watching their opportunity, flew down in great numbers, and, according to their usual practice began to eat it up. 10

II. 1 Some of them burst out into loud sobs.

2 Full well the busy whisper circling round, conveyed the dismal tidings when he frowned, yet he was kind.

3 I am now worth eight hundred pounds; but shall never be so happy as when I was not worth a farthing.

4 I will finish her with one blow of my dagger.

5 The valiant never taste of death but once.

6 "You great baby!" wept the wife, "if you had an ounce of sense in your brain you'd think of some plan to get out of the scrape !"

III. (*i*) What words should begin with capitals? give example. 15

(*ii*) What is a conjunction? How many parts of speech are there in English? Name them and give one example of each. 4

(*iii*) Name the different classes of nouns in English with two examples of each. What is an Abstract noun? Tell Abstract Nouns of the following words:— 8

Wise, idle, friend, thief, see, think.

ओ३म्

The Gurukula Vidyalaya

The Annual Examination (*Phalgun 1966*)

IX CLASS

English Paper (b)

Max. Marks 65 Time allowed 1 hour

I. Trans lape into English :—

अब आगे की कथा सुनिए। विश्वमित्र नाम के बड़े ज्ञानी एक मुनि बन मे रहा करते थे। एक दिन महाराज दशरथ अपनी सभा में बैठे हुए थे कि विश्वामित्र जी वहां आ पहुंचे। महाराज ने उठ कर उन का बड़ा आदर सत्कार किया। झुक कर उन को प्रणाम किया। फिर उन के पैर धोकर उन को अच्छे आसन पर बिठा लिया। उन को अच्छी तरह खिला पिला कर दशरथ ने हाथ जोड़ कर पूछा—महाराज, आप अपने आने का कारण कहिये ?

विश्वामित्र ने कहा कि मैं बन में रहता हूं। वहीं भगवान का भजन किया करता हूं। पर उसी जंगल में दो राक्षस भी रहते हैं। वे मुझ को सताते हैं। एक का नाम मारीच है, दूसरे का सुबाहु। दोनों बड़े बलवान् हैं। वे रावण के नौकर हैं। हम लोगों से डरते ही नहीं। राम हमारे साथ चलेंगे तो वे उन दोनों को मार डालेंगे आप इन को हमारे साथ भेज दीजिये। डरिये मत"।

II. (*a*) Change the voices of the verbs in the following sentences ;

1. He knew me well.
2. The Master punished him for speaking in class
3. He was struck by lightning.
4. My brother and I were attacked by a bull
5. He paid a visit to the Gurukula. 5

(b) Correct the following :—

1. It was me who wrote that letter, not him.
2. Who were you speaking to ?
3. What you said ?
4. Not a man in the room can swim or dive like he.
5. Why don't he go away ? 5

III. Describe the daily life of a Brahmchari in the Gurukula in at least twenty lines. 20

॥ ओ३म् ॥

गुरुकुल विद्यालय (कांगड़ी)

वार्षिकपरीक्षा । फाल्गुन १९६६

९ म श्रेणी

इतिहास

समय ३ घंटा पूर्णाङ्क १००

(१) महमूद ग़ज़नवी के हमलों से भारतवर्ष को जो हानियां हुईं लिखो। ४

(ख) राय पिथोड़ा और मलिक काफूर के विषय में क्या जानते हो? ३

(२) शिवाजी के देहान्त से औरंगजेब की मृत्यु तक मुसलमानों और मरहटों में जो युद्ध होते रहे उन को संक्षेप से लिखो और बतावो कि क्यों मरहटे कामयाब हुए? १०

(३) ब्राह्मणी राज्य और उस के विभागों के विषय में संक्षेप से लिखो।

अकबर और औरङ्गजेब का मुकाबला करो और बतावो भारतवर्ष के लिये किस Policy वाला राजा अच्छा था।

(४) कर्नाटक के १ युद्ध का वृत्तान्त संक्षेप से लिखो। १०

(५) पलासी, बकसर, सेन्टटामी, तलीकोट के युद्धों के क्या परिणाम हुए? १२

(ख) रोहेलों के युद्ध के क्या कारण थे ? ५

(ग) Regulating Act. की क्या शराइत थी ? ४

(६) १७४० तक अंग्रेज़ों ने भारतवर्ष में जो कुछ किया उस का बहुत संक्षिप्त वृत्तान्त लिखो । १४

(७) Malthus महाशय ने मनुष्य संख्या के बढ़ने के नियम दिये हैं उन्हें साफ तौर पर लिखो ।। १०

(८) उत्पत्ति के कारण कौन से हैं और पूंजी की वृद्धि के मोटे मोटे दलीले संक्षेप से लिखो । ५॥

Note I. २ और ६ प्रश्नों में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दो ।

(The 6th question is alternative with the 2nd).

Note II- संक्षेप से और साफ तौर पर तथा ठीक जो लिखेगा उसे पूरे अङ्क मिल सकते हैं ।।

५
४
१४
१०
५॥

॥ ओ३म् ॥

गुरुकुल विद्यालय (कांगड़ी)

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन सं० १९६६

आर्य्य भाषा परीक्षापत्र

अष्टम श्रेणी ।

समय १½ घंटा पूर्णाङ्क ४०

(१) निम्न लिखित दोहों और चौपाइयों के अर्थ सरल आर्य्यभाषा में लिखो । अंक

अपनें चलत न आजु लगि, अनभल काहुक कीन्ह । २
केहि अघ एकहिं बार मोहिं, दैव दुःसह दुःख दीन्ह ॥ २
मांगु मांगु तुम कहहु पिय, कबहुं न देहु न लेहु । २
देन कहेउ बरदान दुइ, सोउ पावत सन्देहु ॥ २
प्रिया हास रिस परिहरहु, मांग बिचारि विवेक । २
जेहि देखौं अब नयन भरि, भरत राज अभिषेक ॥ २
उतर न आवत प्रेमवश, गहेउ चरण अकुलाई । २
नाथ दास मैं स्वामि तुम, तजहु तौ कहा बसाई ॥ २

कहु केहि रंकहिं करौं नरेशू । कहु केहि नृपहिं निकारौं देशू ॥ १
कहहु करहु किन कोटि उपाया । इहां न लागिहि राउर माया ॥ १
देहु कि लेहु अयश कर नाहीं । मोहिं न बहुत प्रपंच सोहाहीं ॥ १
पलँग पीठ तजिं गोद हिंडोरा । सिय न दीन्ह पगु अवनि कठोरा ॥ १
जिवन मूरि जिमि जुगवत रहऊं । दीप बाति नहिं टारन कहऊं ॥ १
मैं बन जाउं तुमहिं लै साथा । होइहि सब विधि अवध अनाथा ॥ १

गुरु पितु मातु प्रजा परिवारू । सब कहं परै दुसह दुःख भारू ।। १

अवध तहां जहं राम निवासू । तहां दिवस जहं भानु प्रकासू ।। १

जो पै सीय राम बन जाहीं । अवध तुम्हार काज कछु नाहीं ।। १

(२) उपरोक्त में से अन्त की दो चौपाइयें किस ने किस से कहीं थीं ? २

(३) तुलसी कृत रामायण में सब से अधिक कौन सा अलंकार आता है । ३

(४) "श्री स्वामी दयानन्द सरस्वती" इस विषय पर एक प्रस्ताव लिखो जो ४० पंक्ति से कम न हो । ८

सूचना—अस्पष्ट लेख के लिये २ अंक काटे जायंगे ।

॥ ओ३म् ॥

गुरुकुल विद्यालय (कांगड़ी)

वार्षिकपरीक्षा । फाल्गुन १९६६

८ म श्रेणी

साधारणज्ञान (भूगोल)

समय १॥ घण्टा पूर्णां० ४०

I. किन बातों पर किसी स्थान विशेष के जल वायु का निर्भर होता है उत्तर समझा कर लिखो ।
निम्न नगरों का जल वायु बताओः—
दिल्ली, कराची, काशी, नागपुर, श्रीनगर ५

II. भारतवर्ष के किन किन भागों में वर्षा अधिक होती है और उस के क्या कारण हैं ? ५

III. प्राचीन आर्य्यावर्त्त (Indo Gemyetic Valley) संसार भर के सब देशों में सब से उत्तम देश क्यों समझा जाता रहा है—विस्तार पूर्वक उत्तर होना चाहिए । ५

IV. भारतवर्ष की बड़ी बड़ी बन्दरगाहें लिखो और उन वस्तुओं के नाम भी लिखो जो उन के द्वारा विदेश को जाती हैं । ५

V. निम्न वस्तुओं के लिये किस प्रकार की भूमि दरकार होती :—
गेहूं, चावल, कपास, सन, चाय, ५

VI उत्तरीय और दक्षिणीय अमरीकाओं के जल वायु में भेद बताओ और उस के कारण भी लिखो । ५

VII. निम्न नगर कहां है और क्यों प्रसिद्ध हैं क्लोनडाइक, क्वेबेक, संसवाटी, क्योटो, मनेला, मेलबेनि. ५

VIII: दक्षिणीय अमरीका का चित्र खीचो और उस में नदीयें दिखाओ । ५

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय कांगड़ी

८म श्रेणी भाद्रपद सं० ६६

इतिहास

समय १½ घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　पूर्णाङ्क ५०

I. बौद्ध धर्म भिन्न देशों में कैसे और कब कब फैला संक्षिप्त वृतांत लिखो। २०

II. बौद्ध धर्म और ईसाई मत में कई सादृश्य बताओ और बताओ कि इन सादृश्यों का क्या कारण है अपने उत्तर की पुष्टि में प्रमाण दो। १०

III. जैन धर्म का प्रवर्तक कौन था और कब हुआ? उसके विषय में जो कुछ जानते हो लिखो। जैनियों के दो भाग (श्वेताम्बर और दिगम्बर) कब और कैसे हुए? १०

IV. निम्न लिखित पर टिप्पणियां लिखो
१. कनिष्क; २. प्लीनी; ३. एसीनेज़ ४. निर्गंथ ५. आजीवक। १०

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय कांगड़ी

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९६६

८ म श्रेणी

भौतिकी (मौखिक)

पूर्णाङ्काः २५

I. नाम लो और प्रयोग बताओ:—

[वायवीय ताप-भाल (air thermoscope); लेसली का भेद-भाल ताप-माप (Leslie's differential thermometer); डेनियल का क्लेदमाप (Daniell's Hygrometer) ; स्वनिमाप (Sonometer); स्वरिणी (Siren)] १०

II. परीक्षण से वायु में ताप के कारण परिवाहन दिखाओ (मोम बत्ती, चिमनी लैम्प की, T की आकृति का टीन का टुकड़ा) ५

III. यह लटकन कै कम्पन प्रति मिनिट करता है ? इस की लम्बाई इतनी कर दो कि तिगुना कम्पन प्रति मिनिट करे। ५

IV. यह ताप-माप [फारिन हाईट] पहचानो। तथा अंश पढ़ो। इसे सेंटीग्रेड के अंशों में बताओ ॥ ५

ओ३म् ॥

गुरुकुल विद्यालय कागड़ी

वार्षिक परीक्षा (फाल्गुन १९६६)

८ म श्रे०

पदार्थ विद्या [भौतिकी]

समय ३ घंटा पूर्णांक: ७५

I. जल के खौलाव बिंदु को शुद्धि से प्राप्त करने के लिये जो बर्तन प्रयोग में लाया जाता है उस का चित्र खींचो और बताओ कि उसे काम में कैसे लाते हैं ? १२

II. ताप के कारण किसी द्रव्य के घानिक फैलाव का गुणक क्या होता है ? ताप के कारण वायु के घानिक फैलाव का गुणक लिखो। बताओ कि वायु की जिस राशि का परिमाण ०° श° पर १०९२ घन फुट हो उस का २०° श. पर तथा–२०° श ० पर तथा १००° श. पर क्या क्या परिमाण होगा । ८

III. आपेक्षिक ताप की परिभाषा करो ।

२०० ग्रैम तांबा गरम कर के १००° श° तक चढ़ा कर एक तांबे के बर्तन में पड़े ८° श° पर के १०० ग्रैम आलकोहल (जिस का तोल २५ ग्रैम है) में डाल दिया गया। ताप-परिमाण २८°.५ हो गया तो आलकोहल का आपेक्षिक ताप बताओ। तांबे का आपेक्षिक ताप° ०.९५ है। ८

IV. भाप का विलीनताप कैसे निकालते हैं ? एक परीक्षण का वर्णन कर के समझाओ । ८

V. ताल्लैक्न्वर्ता गति, वेपन, प्रतान, अंतर, लहर, लहर की लम्बाई की परिभाषा करो।

एक पंक्ति के अवयव तालैक्ययती गति में हैं। पर प्रत्येक अवयव गति में अपने से ठीक पहिले अवयव से १/१२ सेकंड पीछे है। वेपन का अंतर १ सैकंड है। चित्र बना कर समझाओ कि यदि वेपन का प्रतान पहिले एक इंच हो और फिर दो इंच कर दिया जाय तो लहर की लम्बाई में क्या भेद आयगा। १६

VI. शब्द का वेग११२० फुट प्रति सैकंड है तो लहर की लम्बाई बताओ (क) यदि २८० वेपन प्रति सैकंड हों (ख) यदि वेपन का अंतर १/४४० सैकंड हो। ६

VII. शब्द की गाढ़ता और उस की तीव्रता (ऊंचाई) में भेद समझाओ और जिन नियमों से वे बद्ध हैं सो उदाहरणों सहित लिखो।

VIII. स्वर सप्तक (पाश्चात्य) वेपनों के अनुपात सहित लिखो ८

IX. बजते हुए तारों के तिर्यग्वेपनों के नियम लिखो इन को किस यंत्र से सिद्ध कर सक्ते हैं? इस का वर्णन करो।

एक फौलाद का तार एक गज़ लम्बा ९ पौंड के भार से कसा है और टंकारने पर १०० वार वेपन प्रति सैकंड करता है। यदि मैं वैसा तार दो गज़ लम्बा लेकर उस से पहिले की अपेक्षा दुगुना वेपन प्रति सैकंड कराना चाहूं तो इस के लिये कितने भार से उसे कसूं। १०

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय कांगड़ी

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९६६

८ म श्रेणी

English (*Written*)

MAX MARKS :—75. Time :—three hours.

1. Translate the following into Hindi :—

(*a*) His father replied : " My dear Ram Charan, you did wrong. Y ur teacher was quite right to tell me. You must never abuse any one. A good boy never abuses others even when they abuse him. Bad words should never come out of a good boy's mouth. Bad words are like dirt ; they defile you. Oh ! my son, never use bad words again." १०

(*b*) On the spot where Leonidas fell, a marble lion was set up, and these words were engraved on a slab of stone :— "Stranger, go tell the Spartans that we are lying here, obedient to the laws which they have made." Because to the Spartan, to bide by his post, was a law which he thought shame to disobey. १०

(*c*) In the morning as he enter'd the hall,
Where his picture hung against the wall,

A sweat like death all over him came,
For the rats had eaten it out of the frame.
As he look'd there came a man from the farm,
He had a countenance white with alarm ;
"My lord, I open'd your granaries this morn,
And the rats had eaten all your corn." १०

(d) i. The *cat* sprang *nimbly* up a tree.

ii. If all the Lahore side play as well as this, *they* will run up a *large* score.

iii. How ill do we judge what is best for us !

iv. Permit me to return the favour I owe you.

v. He placed his knee *against* it, he tugged and strained, *but* in vain.

vi. It was a weasel secret, and had been handed down, from weasel to weasel, for generations. १२

II. Translate into English :—

i. वहां वर्ष में एक बार एक बड़ा मेला हुआ करता था।

ii. गाड़ी किसी के लिये नहीं ठैरती ।

iii. वे सब गाड़ी पर चढ़ गए ।

iv. जंगल में गाय और भैंस चर रहीं हैं ।

v. चपड़ासी से कहो कि घंटी बजा दे ।

vi. गंगा गुरुकुल के पास से बहती है।

vii. अच्छे विद्यार्थी अपने अध्यापक का कहना मानते हैं ।

viii. तुम्हें ९½ बजे विद्यालय में उपस्थित होना चाहिये ।

ix. कनखल यहां से कितनी दूर है?

x. लोमड़ी ने शोर्बा एक चौड़ी उथली प्याली में रख दिया। १५

III. *i*. प्रथम प्रश्न के (d) भाग में टेढ़े अक्षरों से लिखे पद किस किस part of speech से संबंध रखते हैं ? २

ii. What is a Sentence ? Name its two parts and mark them in I. (d) १

iii. Noun, Verb, Preposition इन परिभाषाओं के अंग्रेज़ी में लक्षण करो। ३

iv. Vowel और Consonant की अंग्रेजी में परिभाषा करो और साथ ही उदाहरण दो ३

v. नीचे के शब्दों के अंग्रेज़ी में Gender लिखो :—

Boy, cow, hen, king, stag lion, empress,

Gentleman, landlord, grand-mother, man-servant, lad.

और विपरीत Gender में इन के जो रूप हों सो भी लिखो। ६

ओ३म्

॥ गुरुकुल विद्यालय काँगड़ी ॥

वार्षिक परीक्षा । सं० १९६६

८ म श्रेणी

गणित पत्र (क)

समय ३ घण्टा　　　　　　　　　　　　　　　　पूर्णाङ्कः ७५

I. निचे लिखे हुये वितत दशमलव भिन्नों को सरल करो ।

$$\frac{२.५ \times १.\dot{६}}{३.\dot{६} - २.५} \text{ का } \frac{४.\dot{२}\dot{६} \times २.६२५}{५.२ - ४.५} \div ५७.\dot{१}४२८५\dot{७}$$　　६

स छोटा

II निम्न राशी का घन मूल निकालो ।

·०००००९९३८३७५　　७

III. एक सौदागर ने १५०० रु० में कुछ माल खरीद किया और उसे ९ मास के वादे पर २०००) रु० को बेच दिया; वार्षिक ५) रु० सैकड़े की दर से उस का तत्काल धन बताओ ।　　७

IV. एक बनियें ने ३।।) सेर की दर से ३ मन ८ सेर चाय मोल ली; यदि उस में से ८ सेर चाय नष्ट हो जाये और बाकी चाय ४) सेर के भाव से बेची जाये, तो उस को कितना सैकड़ा लाभ वा हानी होगी ? ।　　७

V. एक मनुष्य ने ९९) रु० की दर से ४रु० सैकड़े ब्याज का कागज़ बेच दिया और २) रु० सैकड़ा दर कम होने पर उस कागज़ को फिर खरीद कर लिया । और इस से उस की आमदनी

में १२०) रु० बढ़े बताओ उस के पास कितने रुपये का कागज़ हो गया । ७

VI. $\text{क्ष}^{३} + \text{य}^{३} - \text{ज}^{३} + ३\,\text{क्षयज}$ को $\text{क्ष} + \text{य} + \text{ज}$ के साथ भाग करो । ८

VII. सिद्ध करो

$$\text{क्ष}^{६}(\text{ब}^{३}-\text{स}^{३}) + \text{ब}^{६}(\text{स}^{३}-\text{अ}^{३}) + \text{स}^{६}(\text{अ}^{३}-\text{ब}^{३}) = (\text{अ}^{३}-\text{ब}^{३})(\text{ब}^{३}-\text{स}^{३})(\text{अ}^{३}-\text{स}^{३})$$

VIII. क्षयज का मान बताओ ।

जब कि

(१) $\text{क्ष} + \text{य} + \text{ज} = १४$

(२) $\text{क्ष}^{२} + \text{य}^{२} + \text{ज}^{२} = ७४$

(३) $\text{क्ष}^{३} + \text{य}^{३} + \text{ज}^{३} = ४३४$ ८

IX. निम्न वाक्यों के खंड बनाओ ।

(१) $८१\,\text{अ}^{४} + ६४\,\text{ब}^{४}$

(२) $(\text{अ}^{२}-\text{बस})^{३} + ८\,\text{ब}^{३}\text{स}^{३}$

(३) $२७\,\text{क्ष}^{४} + ६\,\text{क्ष}^{२} - १$

(४) $\text{क्ष}^{२} + १३\,\text{क्ष} + ४२$ १६

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय काङ्गड़ी

वार्षिक परीक्षा।

८ म श्रेणी

गणित पत्र (ख)

समय ३ घंटा पूर्णाङ्क ७०

I. एक कल्पित सरल रेखा है, स बिन्दु इस को दो भागों में विभक्त करता है तो सिद्ध करो कि

$$(\text{अब})^2 + (\text{बस})^2 = 2\,\text{अब}.\,\text{बस} + (\text{अस})^2$$ ७

II. निम्न साध्य को [यदि हो सके] तो किसी छोटी से छोटी रीति से सिद्ध करोः—

एक कल्पित रेखा स बिन्दु पर दो भागों में विभक्त होती है, और सब को द बिन्दु तक बढ़ा कर बद को सब के बराबर बनाया गया है तो सिद्ध करोः—

$(\text{अद})^2 = 4\,\text{अब बस} + (\text{अस})^2$ इस साध्य सम्बन्धी बीज गणित का सूत्र भी लिखो। ७

III. सिद्ध करो कि जो कोण एक ही वृत्त खंड [चांप चेत्र] में होते हैं वे परस्पर बराबर होते हैं। ७

IV. एक कल्पित सरल रेखा पर एक वृत्त का खंड बनाओ जिस का कोण तुल्य हो एक कल्पित कोण के। ७

V. अबसद एक दिया हुआ वृत्त है अब और सद दो रेखाएं ई बिन्दु पर परस्पर काटती हैं तो सिद्ध करो कि अ ई. ई ब = सई. ईद । ७

VI. दो दिए हुये वृत्तों की एक उभयनिष्ट स्पर्श रेखा खींचो । ७

VII. एक ऐसा वृत्त बनाओ जो एक कल्पित वृत्त को और एक कल्पित रेखा को एक कल्पित बिन्दु पर स्पर्श करे । ८

VIII. एक त्रिभुज के बाहु क्रम से १७, १५, ५ इन्च हैं तो उस रेखा की लम्बाई बताओ जो १७ इन्च वाली बाहु के मध्य बिन्दु को सन्मुख कोण के साथ मिलाती है । ७

IX. अबसद एक चतुर्भुज है, अब=बस=सद=६० गज,अद=८० गज और कोण दअब समकोण है. तो क्षेत्रफल निकालो । ८

X. एक वृत्ताकार घास का खेत जिस की त्रिज्या ४० गज है एक बजरी की सड़क से घिरा हुआ है तो उस सड़क की चौड़ाई बताओ यदि खेत और सड़क का क्षेत्रफल समान हो १०

ओ३म्

॥ गुरुकुल विद्यालय काङ्गड़ी ॥

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन सं० १९६६

८ म श्रे०

संस्कृत साहित्य (ख) पत्रम्

समयश्च होराद्वयम् पूर्णाङ्काः ३५

निम्नलिखितसंदर्भः संस्कृतभाषयानूद्यताम्—

१. एक बार एक नगर में आग लग गई और बहुत से घर जलने लगे। सब मनुष्य अपनी अपनी सम्पत्ति के बचाने में लगे हुए थे।

उन में से एक घर में दो भ्राता रहते थे; उन के माता और पिता दोनों अति वृद्ध थे। अग्नि लगे हुए घर में से भाग कर अपने प्राण बचाने की उन में सामर्थ्य नहीं थी। चारों ओर अग्नि से प्रज्वलित घर में घिरे हुए वे भय से कांप रहे थे।

उन दोनों भ्राताओं ने आपस में कहा, "जिन माता पिता से हम उत्पन्न हुए हैं, उन से अधिक मूल्यवान् वस्तु हमारे लिये क्या हो सकती है? आओ! और सब सम्पत्ति को छोड़ कर पहले उन की ही रक्षा करें" यह कह कर वे दोनों जलती अग्नि में धंस पड़े और उन में से एक ने अपने पिता को और दूसरे ने माता को अपने कंधे पर बिठला कर उस अग्निमय घर से निकाल लिया और इस प्रकार उन दोनों की जीवन-रक्षा की।

उन की सब सम्पत्ति भस्म हो गई, पर वे अपना कर्त्तव्य पालन कर के अर्थात् अपने माता पिता की रक्षा कर के बड़े प्रसन्न थे। उन के कार्य की सब ने प्रशंसा की और उन का यश ग्राम ग्राम में फैल गया। २०

२. निम्नलिखितानामन्यतममालम्ब्य त्रिंशदनवराभिः पंक्तिभिः संस्कृते निबन्धो लेख्यः।

i श्रेयश्च प्रेयश्चेत्येतयोः कतरदवलम्बनीयम् मनुष्यैः।

ii प्रभातवेला।

iii ईश्वरचंद्र-विद्यासागरस्य चरितम्। १५

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय कांगड़ी

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन सं० १९६६

अष्टम श्रेणी

संस्कृत साहित्य प्रश्नावली । (क)

समयो घण्टा द्वयम् पूर्णाङ्काः ४०

(वेणी संहारे)

प्र० (१) किन्नाम नाटकत्वं हि ? प्राधान्येनाऽत्र कोरसः ? ।
कस्य कृतिरियञ्चास्ति ? किञ्चात्मगतलक्षणम् ? ॥
नान्दी कतिपदा चास्ति ? किमर्थं केन पठ्यते ? ।
इति सर्वं परामृश्य याथातथ्येन लिख्यताम् ॥ ४

प्र० (२) अङ्कस्य प्रथमस्य शोभनकथां संलिख्य सङ्क्षेपतः, ?
निष्कर्षम्प्रथमे तथाऽन्त्यमिति ?, च्छन्दो द्वितीये ततः ? ॥
साक्षात्कृत्य हि विग्रहांश्च चरमे रेखाङ्कितानां पृथक् ?
टीकाकार सुरीति पूर्वकमिदं व्याख्याहि पद्यत्रयम् ? १०

१ कुसुमाञ्जलि रपर इव प्रकीर्यते काव्यबन्धएषोऽत्र ।
मधुलिह इव मधुबिन्दून् विरलानपिभजत गुणलेशान् ॥

२ प्रालेयमिश्र मकरन्द कराल कोशैः,
पुष्पै स्समं निपतिता रजनी प्रबुद्धैः ।
अर्कांशुभिन्न मुकुलोदर सान्द्रगन्ध,
संसूचितानि कमलान्यलयः पतन्ति ॥

३ पूर्यन्तां सलिलेन रत्न कलशा राज्याभिषेकायते,
कृष्णात्यन्तचिरोज्झिते च कबरीबन्धे करोतुक्षणम् ।
रामे शात कुठारभासुरकरे चत्रद्रुमोच्छेदिनि,
क्रोधान्धे च वृकोदरे परिपतत्याजौ कुतः संशयः ॥

प्र० [३] अधः प्रदिष्टवाक्यानि संस्कृते परिवर्त्यहि ।
व्याख्येयानि ततः सम्य गुक्तिमत्युक्तिपूर्वकम् ॥ ६

[क] तदो ताए देवीं पेक्खिअ सहीजणदिण्णदिट्ठीए सगव्वं ईसि विहसिअ भणिअं ।

[ख] भट्टिणी, सोहणं भणादि सुवअणा । सिविणअन्तो जणो किंण कखु प्पलवादि ।

[ग] तदो अ देव, सत्तिखण्डणा मरिसिदेण गण्डीविणा भणिअम्—अरेरेदुज्जोहणप्पमुहा ।

प्र० [४] सूत्रधाराङ्कनेपथ्यपारिपार्श्विकलक्षणम् ।
कञ्चुकिलक्षणञ्चापि लेख्यं नाटक सम्मतम् ॥ ९

(शिवराज विजये)

प्र० [५] निम्ननिर्दिष्टसन्दर्भव्याख्यानिर्देशपूर्वकम् ।
विचार्य चाऽङ्कितानां हि साधनं कार्यमुत्तमम् ॥ १०

[क] बटुरसौ आकृत्या सुन्दरो, वर्णेनगौरो, जटाभिर्ब्रह्मचारी, वयसा षोडश वर्षदेशीयः, कम्बुकण्ठ, आयत ललाटः, सुबाहु र्विशाललोचनश्चासीत् ।

[ख] चपला चपल चमत्कृतिवसनो विहित मनोहर गानः ।

[ग] स च कथमप्युत्थायो त्थाप्य च तौ समाश्लिष्य स्वनयन वारिधाराभि स्तावभ्यषिचत् ।

[घ] को जानाति कोशलारघुवीरयोः काभि र्भावनाभि रयतनी रजनी व्यतेतीति ।

[ङ] तावत्तत्रस्थः कश्चिच्चाटुकारो महामद मणित नामा सगात्र विक्षेपं प्रावोचत् ।

प्र० [६] अधो वाक्यद्वये कर्तृ वाच्यस्य परिवर्तनम् ।
विधाय साधुरीत्या च कोऽस्य वक्तेतिभण्यताम् ॥
"सुखार्थी चेत्त्यजेद् विद्याम्" इति
"जीवन् नरोभद्र शतानिपश्येत्" इति

गौरीशङ्कर शास्त्री

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय (काङ्गड़ी)

वार्षिक-परीक्षायाम् फाल्गुन सं० १९८८

८ म श्रेण्याः

दर्शने प्रश्नाः

समयो घण्टा सार्द्धद्वयी | पूर्णाङ्कः ५०

(१०) चित्तस्याः क्षिप्तमूढभूमीरुपन्यस्य तासु काका न योगयोग्येति सोपपत्तिकं निरूप्य सम्प्रज्ञातसमाधिलक्षणपरम्भाष्यं साभिप्रायमवतारय । १

(५) आगमलक्षणम् सशंकासमाधि वर्णय २

(७) पराऽपर वैराग्ये उपवर्ण्य तयोर्भेदमुद्भेदय ३

(१८) "योऽसौ प्रकृष्टसत्वोपादानादीश्वरस्य शाश्वतिक उत्कर्षः स किं सनिमित्त आहोस्विन्निर्निमित्तं इति तस्य शास्त्रं निमित्तं-शास्त्रं पुनः किं निमित्तं प्रकृष्ट सत्व निमित्तम्"।

"अस्ति काष्ठा प्राप्तिः सर्वज्ञबीजस्य; सातिशयत्वात् परिणामवदिति यत्र काष्ठा प्राप्तिर्ज्ञानस्य स सर्वज्ञः—

सामान्य मात्रोपसंहारे कृतोपक्षयमनुमानं न विशेष प्रतिपत्तौ समर्थम्"-इति-भाष्य मिदं विशदं व्याचक्ष्व ४

(१०) 'परमाणु महत्वान्तोऽस्य वशीकारः'। १।
निर्विचार वैशारद्येऽध्यात्मप्रसादः। २।
तज्जः संस्कारोऽन्यसंस्कार प्रतिबन्धी । ३।
तस्यापि निरोधे सर्व निरोधान्निर्बीजः समाधिः। ४।
एतेषां सूत्राणामक्षरार्थमाख्याय भावार्थं व्याख्याहि । ५।

* ओ३म् *

गुरुकुल विद्यालय काङ्गड़ी

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९६६

(महाभाष्य पत्रम्)

अष्टम श्रेणी

समयो घण्टा ३॥ पूर्णाङ्काः ५०

(१) अनुपपन्नं स्थान्यादेशत्वं नित्यत्वादिति वार्तिकं व्याख्याय विधिग्रहणस्य प्रयोजनं सविस्तरं वर्णय ६

(२) प्रतिषेधे स्वरदीर्घयलोपेषु लोपाजादेशो न स्थानवत् इति वा० सोदाहरणं स्फोटय ६

(३) प्रत्ययतस्य लुक्श्लुलुप इत्यत्र प्रत्ययग्रहणस्य फलं सम्यङ् निरूपय ५

(४) ह्रस्वो नपुंसक इत्यादि सूत्रे (अव्ययप्रतिषेधः) अस्य प्रयोजनं प्रदर्श्य खण्डनं कार्य्यम् ६

(५) अचश्चेन्नपुंसक ह्रस्वाकृत्सार्वधातुक नां दीर्घेष्व नन्त प्रतिषेध) इति वार्तिकं सोदाहरणं व्याख्याय कस्मिन् पक्षे चेदंकश्च सिद्धान्त इति दर्श १०

(६) वृद्धोयूनेत्यादि सूत्रे उष्ट्रश्च करभश्चेत्यत्रकस्मान्न भवति-किञ्चास्योदाहरणम्-तत्र वृत्तिश्चोद्धरूप सम्यक् सङ्गमय ६

(७) यथासंख्य सूत्रे (किं पुनः शब्दतः सा संख्यातानुदेशो भवति आहोस्विदर्थतः) इति च द्वयं सम्यक् व्याख्याय सिद्धान्तं दर्शय ८

(८) (पाठेन धातु संज्ञायां समान शब्द तिषेधः) इति वार्तिकं संक्षेपेण व्याचक्ष्व ३

ओ३म्

॥ गुरुकुल विद्यालय काँगड़ी ॥

वार्षिक परीक्षा सं० १९६६

७म श्रेणी

आलेख्य (Drawing).

समय २½ घंटे पूर्णांक १९

I. १–बिना परकार के एक दी हुई रेखा के २ बराबर भाग करो — १

२–एक दिए हुए बिन्दु से जो दी हुई रेखा के बाहर है एक ऐसी रेखा खेंचो जो दी हुई रेखा से मिल कर दिए हुए कोन के बराबर कोन बनाए — १

३–एक दी हुई रेखा का $\frac{४}{९}$, $\frac{३}{७}$, $\frac{५}{२}$ भाग मालूम कर के जुदा जुदा दिखलाओ — १½

४–एक सम द्विबाहु त्रिभुज बनाओ जिस की ऊंचाई और एक आसन्न कोन दिए हुए है — १

५–एक त्रिभुज बनाओ जिस का आधार एक आसन्न कोन और ऊंचाई दिए हुए हैं — १

६–एक दी हुई त्रिभुज के सदृश त्रिभुज बनाओ जिस की भुजाओं का योग ३½″ है — १½

II. जो चित्र तुम्हारे सामने रक्खा गया है उस की अपने काग़ज़ पर बड़ी से बड़ी कापी करो — ५

III. जो माडल तुम्हारे सामने रक्खा गया है उसका नक्श (out lines) में बनाओ — ३

नोट १–I. के लिये ४० मिनट, II. के लिये एक घण्टा, III. लिये ५० मिनट मिलेंगे।
२–शक्लें साफ़ हों

॥ ओ३म् ॥

गुरुकुल विद्यालय (कांगड़ी)

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन सं० १९६६

सप्तम श्रेणी ।

भूगोल

समय १॥ घण्टा — पूर्णाङ्क: ४०

I आफ्रीका की जलवायु क्यों इतनी गरम है ? और इस देश की अवन्नति के क्या कारण हैं ? — ५

II अफ्रीका में कौन कौन से देश और द्वीप अंग्रेज़ों और पुर्तगेज़ों के अधीन हैं ? इन में से किसी प्रसिद्ध का वर्णन भी करो । — ५

III मिश्र, केपकालानी, सूडान, इन की जलवायु और उपज लिखो । — ६

IV निम्नलिखित क्या है और कहां है ?

जहां आवश्यक समझो प्रसिद्ध होने का कारण भी लिखो ।
खरतूम, वर्ड, नाइजर, बङ्गवीलो, सोफाला, ज़ञ्जबार, यूगंडा ॥ — ६

V दक्षणी अफ्रीका के बड़े २ भागों का वर्णन करते हुए उन के नगर लिखो । — ६

VI निम्नलिखित परिभाषाओं की व्याख्या करो ।
स्तर रूप से संस्थित चट्टान । अग्नेय चट्टान भूधर अक्ष — ६

VII पृथ्वी के बड़े २ स्थलों के नाम: लिखो और उन की प्राकृतिक अवस्था का वर्णन जितना लिख सक्ते हो लिखो । — ६

ओ३म्

॥ गुरुकुल विद्यालय काँगड़ी ॥

वार्षिक परीक्षा (फाल्गुन १९६६)

७ म श्रेणी

इतिहास

समय २ घंटा पूर्णांक ५०

१. निम्नलिखित पर टिप्पणियां लिखो !

भृगु, जावालि, विश्वामित्र, नल, पुष्पक, सौति । ६

२. रामायण के समय की अवस्था की महाभारत के समय की अवस्था से तुलना करो । १०

३. महाभारत का युद्ध तुम्हारी सम्मति में कब हुआ ? युक्तियां दो । १२

४. अठारह पुराणों के नाम लो । यह कब के बने मालूम होते हैं ? उत्तर में युक्तियां चाहियें क्योंकि कई इन्हें बहुत ही आधुनिक मानते हैं । १०

५. मनुस्मृति, रामायण तथा महाभारत के प्रमाणों से बताओ कि प्राचीन भारतवासी सत्य अथवा धर्म का कितना गौरव समझते थे । १२

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय काङ्गड़ी

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन सं० १९६६ विक्रमी

७ श्रेणी

आर्य्य भाषा

समय १½ घण्टा पूर्णाङ्क ४०

१. निम्नलिखित दोहों और चौपाइयों के अर्थ सरल आर्य्य भाषा में लिखो ।

मातु पिता गुरु स्वामि सिख, शिर धरि करिय सुभाय । २
लहेउ लाभ तिन जन्म कर, न तरु जन्म जग जाय ॥ २
शिख सीतल हित मधुर मृदु, सुनि सीतहिं न सोहानि । २
शरद्चन्द चान्दनि निरखि, जनु चकई अकुलानि ॥ २
राम दरस हित नेम व्रत, लगे करन नर नारि । २
मनहुं कोक कोकी कमल, दीन विहीन तमारि ॥ २
कैकय नन्दिनि मन्द मति, कठिन कुटिल पण कीह्न । २
जेहि रघुनन्दन जानकि हिं, सुख अवसर दुःख दीह्न ॥ २

अस कहि कुटिल भई उठिठाढ़ी, मानहुं रोष तरङ्गिनि बाढ़ी ॥ १
पाप पहार प्रगट भइ सोई । भरी क्रोध जलजाइ न जोई ॥ १
धर्म्मधुरीण धर्म्मगति जानी । कहेउ मातुसन अति मृदुबानी ॥ १
पिता दीह्न मोहि कानन राजू । जहाँ सब भांति मोर बड़काजू ॥ १
मांगहु बिदा मातुसन जाई । आवहु वेगि चलहु बन भाई ॥ १
मुदित भए सुनि रघुवरबानी । भयउ लाभ बड़ गइबड़ हानी ॥ १
गुह संभारि साथरी बनाई । कुशकिशलय मृदु परम सुहाई १
शुचि फलमूल मधुर मृदुजानी । दोना भरिभरि राखेसि आनी ॥ १
राम प्रबोध कीह्न बहु भांती । तदपि होइ नहिं शीतलछाती ॥ १
जतन अनेक साथ हित कीन्हें । उचित उतर रघुनन्दन दीन्हें ॥ १

२. निम्नलिखित में रिक्त स्थानों को पूर्ण करो ।

[१] देखो कमल पर ———— कैसे गूंज रहे हैं । १

[२] यह ऐसे घृणास्पद शब्द हैं जिन को लिखते हुए ———— थर्राती है और ———— कांपता है । २

[३] सन्तोष का फल —— है । १

३. तुलसीकृत रामायण में कमल की उपमा किस किस अंग को दी गई है । दृष्टान्त के लिए उन शब्दों को भी लिखो जिन में उपरोक्त अर्थ में कमल शब्द का प्रयोग हुवा है । २

४. "परोपकार" इस विषय पर एक प्रस्ताव लिखो जो ३० पंक्ति से कम न हो । ८

सूचना—अस्पष्ट लेख के लिए २ अंक काटे जाएंगे ।

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय (कांगड़ी)

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९६६

७म श्रेणी

रसायन (मौखिक तथा क्रियात्मिक)

समय १० मिनिट

पूर्णाङ्क

(१) पहिचानो तथा अंग्रेज़ी में नाम बताओ

(अ) [तांबे का गंधित, कृष्ण सीस, पारे का अम्ल-जिद, पत्थर का कोइला, सीसे का गंधिद,] जस्त का गंधिद। ३

(ब) [लीबिग का निष्कर्षक, बुन्सन का प्रदीप फुकनाल, डेवी का रक्षादीप] २

(२) इन पत्रों में पड़े द्रवों में से नत्रिक अम्ल तथा आमोनिया वाले पात्र अलग करदो:-

गंधक का अम्ल, नत्रिकअम्ल, जल, लवण का अम्ल, अमोनिया) ८

(3) बत्ती की ज्वाला के कई भाग हैं? उन के विषय में क्या जानते हो? सब से भीतर के भाग विषयक अपने ज्ञान को परीक्षणों से सिद्ध करो। मांगो जो चाहिये। ७

(4) पारे के अम्लजिद को गरम करने से कौनसा गैस निकलेगा? गैस निकालो तथा परखो। ५

ओ३म्

॥ गुरुकुल विद्यालय काँगड़ी ॥

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन संवत् १९६६

पदार्थ विद्या--रसायण

७म श्रेणी

समय ३ पूर्णाङ्क ७५

I. सरल और रासयाणिक समासों के लक्षण करो और उन के उदाहरण भी दो। ४

II. कठोर जल को कैसे पहचानेगें? खटिक कार्बनिक (Chalk) से कठोर हुए जल की कठोरता दूर कर ने की विधि लिखो। ६

III. बाइल और चार्ल्स के गैस संबंधी नियम बताओ और उदाहरणों से उन को समझाओ। ६

IV. जल का निष्कर्षण करना किसे कहते हैं— किसी एक ऐसे यंत्र का वर्णन करो जो जल के निष्कर्षण में काम आता हो। ६

V. पदार्थों की सरल बहु रूपता किस को कहते है? उदाहरण दे कर समझाओ। बत्ती की अग्नि शिखा के भाग बताओ और उन के भेद कारणों सहित लिखो। ६

VI. गन्धक को परीक्षण नली में डाल कर तप्त दे ने से जो जो परिवर्तन उस में आयें गे उन को क्रमशः लिखो। ४

VII. गन्धक का द्वि अम्लजिद (Sulphur Diosside) निकालने (बहुत राशी) की क्रया दो और इस गैस के गुणों की तुलना कार्बन टू अम्लजिद (Carbonic acid gas) के साथ करो। ८

VIII. हरिण गैस के गुण परीक्षणों द्वारा समझाओ हरिण द्वारा वस्तुवों के श्वेत किये जाने की क्रिया को स्पष्ट कर के समझाओ। ८

IX. अम्ल, मूल पदार्थ, लवण और क्षारके लक्षण करो। और प्रत्येक चार चार उदाहरण भी दो। ६

X. अम्लों के गुण बताओं और तीन प्रसिद्ध अम्लों की पहचान भी लिखो। ६

XI. अमोनिया गैस (Amonia gas) के तय्यार कर ने की विधि लिखो गुण परीक्षणों द्वारा समझाओ और यंत्र का चित्र भी खींचो। १८

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय काङ्गड़ी

वार्षिक परीक्षा सम्वत् १९६६

सप्तम श्रेणी

धर्मशिक्षा

समय दो घण्टे | पूर्णाङ्क १०

[१] निम्नलिखित वेदमन्त्रों के अर्थ लिखोः—

ऋतञ्च सत्यञ्चाभीद्धात्तपसोऽध्यजायत ततो रात्र्यजायत ततः समुद्रो अर्णवः॥ समुद्रादर्णवादधि संवत्सरो अजायत अहोरात्राणि विदधद्विश्वस्य मिषतो वशी ॥ — १

[क] यह बतलाओ कि संवत्सर और "दिन तथा रात्रि" क्या वस्तु हैं और इन की उत्पत्ति कैसे हुई ? — १

[ख] यदि कोई ऐसी शङ्का करे कि "रात्र्यजायत" इस वाक्य से जब रात्रि का प्रादुर्भाव वर्णन कर चुके तो पुनः "अहोरात्राणि विदधत्" इस वाक्य से दिन और रात का विधान क्यों किया ? तो क्या उत्तर दोगे ? — १

[२] कोई ऐसा वेदमन्त्र बतलाओ जिस का अभिप्राय यह हो कि जो द्युलोक, पृथिवीलोक, अन्तरिक्ष एवं सब चराचर पदार्थों में व्यापक है उस का नाम सूर्य्य है — ½

[क] भू लोक, स्वर्लोक, द्यु लोक और अन्तरिक्ष किन्हें कहते हैं ? — ½

[ख] सिद्ध करो कि परमात्मा अन्तरिक्ष में भी व्यापक हैं। — २

[३] यजुर्वेद के चालीसवें अध्याय के, सातवें तथा तेरहवें मन्त्र को लिखो — ½

[४] मनुष्योन्नति के विषय में स्वदेशी तथा विदेशियों के साथ किस प्रकार वर्त्तने की शिक्षा महर्षि दयानन्द देते हैं ? १/२

[५] जिस प्रकार बलवान पशु प्रायः निर्बलों पर चोट करते हैं उसी प्रकार बलवान मनुष्य यदि निर्बलों को दलित किया करें तो इस में क्या हानि है । महर्षि दयानन्द ने इस विषय में क्या लिखा है । १ १/२

[६] "वायु" शब्द "परमात्मा" वाचक तथा "भौतिक वायु" वाचक भी है । वेदों में तथा आर्ष ग्रन्थों के अनेक स्थलों में आए हुए इस शब्द को किस तरह समझोगे कि यह अमुकस्थल में "परमात्मा" वाचक और अमुकस्थल में "भौतिक वायु" वाचक है । ऐसे दो उदाहरण दो जिन में से एक में "वायु" शब्द "परमात्मा" वाचक और दूसरे में "भौतिक वायु" वाचक हो १

[७] उस श्लोक को लिखो जिस का अभिप्राय यह है "इस को कोई तो अग्नि कहता, कोई मनु, कोई प्रजापति, कोई इन्द्र वा प्राण और कोई शाश्वत ब्रह्म" १/२

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय (काङ्गड़ी)

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९८८

मौखिक गणित

७ म श्रेणी

समय $\frac{१}{२}$ घण्टा

पूर्णाङ्काः २५

१. एक सम-कोण त्रिभुज के कर्ण और ऊंचाई का योगफल ६३ फीट है और आधार २१ फीट है। तो कर्ण क्या होगा ? ४

२. यदि गेंहू का भाव ७≡) प्रति मन हो तो २ मन १७ सेर ८ छ० का मोल क्या होगा ? ४

३. कोई वस्तु ३६) में बेचने से ४% हानि रहती है। तो ४४॥) में बेचने से प्रति सैंकड़ा क्या लाभ वा हानी होगी ? ५

४. $\frac{\frac{३}{४}\times\frac{३}{४}-\frac{२}{५}\times\frac{२}{५}}{\frac{३}{४}+\frac{२}{५}}+२\frac{१३}{२०}-\frac{५}{१६}$ को सरल करो। ४

५. ८, १०, १२, १४, १६, १८, २०, २२, २४, २६,........ ५२ तक योग करो। ४

६. एक श्रेणी में कुछ पुस्तकें बांटने को हैं। यदि दो दो विद्यार्थियों को एक एक दें तो तीन पुस्तकें बच रहती हैं। और यदि एक एक विद्यार्थी को एक एक दें तो दो पुस्तकें कम रहती हैं। तो बताओ श्रेणी में कितने विद्यार्थी हैं ? ४

* ओ३म् *

॥ गुरुकुल विद्यालय काँगड़ी ॥

वार्षिकपरीक्षा फाल्गुन १९६६

७म श्रेणी ।

गणित पत्र [ख]

समय ३ घंटा पूर्णाङ्क: ७५

१. निम्न लिखित परिभाषाओं का लक्षण करो ।
चापोपरिस्थकोन । पालिकोन । वृतखंड सजातीय चाप क्षेत्र ॥ ८

२. वृत में तुल्य जीवाएं केन्द्र से तुल्य दूरी पर होती हैं । इस का विलोम लिखो और यदि विलोम ठीक हो तो उस को सिद्ध करो ॥ ८

३. एक दिये हुये बिन्दु से जो दीये हुये वृत से बाहर है । उस वृत को सम्पात करती हुई रेखा खेंचो ॥ १०

४. अध्याय के साध्य २४-२६-६—१६—के सूत्र लिखो ॥ ८

५. सिद्ध करो किसी त्रिभुज के दो भुजों के मध्य बिन्दुओं को मिलाने वाली रेखा तीसरी भुज के समानान्तर होगी ॥ १०

६ यदि वृत में दो जीवाएं जो केन्द्र में से होकर नहीं जाती हैं एक दूसरे को काटें । तो सिद्ध करो कि कटान बिन्दु पर दोनों के तुल्य भाग नहीं हो सके इस सूत्र की व्याख्या भी लिखो । ८

७ एक नदी के किनारे ९० फीट ऊँचा मीनार बना हुआ है । और नदी के दूसरे किनारे से एक सीढ़ी १०२ फीट लम्बी मीनार के सिरे तक ठीक पहुंच सकती है तो नदी की चौड़ाई क्या है ॥ ९

८ एक समकोण त्रिभुज में समकोण से डाले हुये लम्ब से कर्ण के जो भाग हुये हैं उन का परिमाण १८ फीट और ३२ फीट है तो उस त्रिभुज की भुजायें बताओ ॥ ६

९ एक वृत का व्यास १ गज है उस के अन्द्र उस चाप की जीवा क्या होगी जिस की उंचाई ४ इंच है ॥ ६

१० एक गाड़ी के पहिये का व्यास २ फीठ ४ इंच है उसने १०० बार घूम कर एक वृत्ताकार गोल रास्ते को पूरा कर लिया । तो रास्ते के चक्कर का व्यास क्या था । ६

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय (कांगड़ी)

वार्षिक परीक्षा १९६६

७ म श्रेणी

गणित (क)

समय ३ घंटे | पूर्णांक ५०

I. $\frac{१३\frac{१}{२}-९\frac{३}{४}}{१५\frac{१}{८}-११\frac{७}{४०}}$ का $२\frac{३}{७}\div३\frac{२}{७}+\frac{१\frac{७}{९}}{९\frac{२}{९}-८\frac{४}{९}}$ को सरल करो। ५

II. कोई मनुष्य रेल की सड़क के किनारे प्रति घंटा ४ मील की चाल से जा रहा था; ८८ गज़ लम्बी एक रेलगाड़ी आई और उस को १० सेकेंड में पार कर गई। और थोड़ी देर पीछे और थोड़ी दूर आगे जा कर दूसरे मनुष्य को ९ सेकेंड में पार कर गई। बताओ दूसरा मनुष्य प्रति घंटा किस चाल से जा रहा था? ५

III. २२०० पौंड लगा कर क ने १६ अप्रेल को एक कार्य्य आरम्भ किया और ३ जुलाई को ख को साझी कर लिया ख ने उस कार्य्य में १८०० पौ० लगाये, ३१ दिसम्बर तक ४४९ पौ० १६ शि० लाभ हुये। तो प्रत्येक मनुष्य का भाग बताओ। ५

IV. एक मनुष्य नाव को ५ घंटे में १२ मील नदी के चढ़ाव की ओर खेता है। और ३ घंटे मे लौटा कर फिर अपने स्थान पर लेजाता है। तो नदी की चाल और नदी का बहाव क्या होगा? ५

नाव

V. $\frac{६.२७ \times .५}{(\frac{१}{२} \text{ का } \frac{३}{४}) \times ८.३६} \div \frac{(\frac{१}{४} \text{ का } \frac{१}{१०}) \times (२१.\frac{१}{३} \text{ का } \frac{३}{२})}{(\frac{२}{३} \text{ का } \frac{५}{६}) + १.\dot{४}}$ को सरल करो। ५

VI. ५वें मार्च को ६ महीने की मुत अवधि पर ९२० रुपये १२ आ० की एक हुंडी लिखी गई; वार्षिक ५% दर से ४ थी जूलाई को उस का रुपया लेलिया गया। तो ठीक बट्टा बताओ। ५

VII. ३ पौंड ६ शि० ८पेंस का, ·७३६५+१५ पौंड १२ शि. ६ पेंस का .५०४+५ पौंड २. १०२०८३ इस का मान बताओ। ५

VIII. एक मनुष्य रुपये में ४ पाई इन्कमटैक्स देता है परन्तु ४% से ३$\frac{३}{४}$ % ब्याज की दर होजाने पर उस की वार्षि शुद्ध प्राप्ति (टैक्स देदेने के पश्चात्) ४७) कम होगई तो बताओ उस का मूल धन क्या है ? ५

IX. दो रेल गाड़ियां समानन्तर दो पटड़ियो पर हैं । एक ५४० गज़ लम्बी २४ मील प्रति घंटे की चाल की, दूसरी ३४० गज़ लम्बी ३० मील प्रति घंटे की चाल की ।

(क) दूसरी गाड़ी पहली को कितने समय में पार कर जायगी जब एक ही दिशा में जारही हो ?

[ख] दूसरी गाड़ी पहली गाड़ी की किसी सवारी के आगे कितने समय में गुज़र जायगी जब दोनो प्रतिकूल दिशा में जा रही हों। ५

X. ५ बच्चों की अवस्था की मध्यता ७ वर्ष है। परन्तु जब उन के बाप की अवस्था भी ली जाती है, तब यह मध्यता ६ वर्ष अधिक हो जाती है, तो उन के बाप की अवस्था बताओं ॥ ५

ओ३म्.

गुरुकुल विद्यालय कांगड़ी

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन सं० १९६०

संस्कृत साहित्य पत्र [ख]

७ श्रेणी

समय २ घण्टा पूर्णाङ्क

[१] निम्नलिखित संदर्भः संस्कृतेऽनूद्यः

बलदेव की अवस्था केवल पंद्रह वर्ष की थी। उस का घर यमुना के तट पर एक ग्राम में था। एक दिन सांयकाल को वह यमुना के पुल पर भ्रमण करने गया। वहां को जाकर उस ने देखा कि पुल पर से जाते हुए एक सवार को उस के घोड़े ने यमुना में गिरा दिया। बलदेव कुछ कुछ तैरना जानता था।

सवार को गिरता देखते ही उस ने अपना भ्रमण का आनन्द त्याग दिया और बहुत से मनुष्यों के देखते देखते जो तट पर खड़े उस सवार को डूबने से बचाने का उपाय सोच रहे थे, वह वस्त्रों समेत यमुना में कूद पड़ा और तैर कर डूबते हुए सवार को तट पर खींच लाया। १५

[२] संस्कृतेऽनूद्यानि निम्नलिखितानि वाक्यानि—

[i] जब बोलो अच्छे और मधुर शब्द ही बोलो।

[ii] थके हुए पथिक आम् के वृक्ष के नीचे गमर्मी के दिनों आराम करते हैं।

[iii] जहाज़ वालों ने ईश्वर को धन्यवाद दिया और उस बालक को आर्शीवचन कहे।

[iv] उस की भलाई की कथा सारे देश में फैलगई।

[३] निम्नलिखितानामन्यतमम् विषयमधिकृत्य पंचविंशतेरनवराभिः पंक्तिभिः प्रस्तावो लेखनीयः—

[i] राम कथा।

[ii] परोपकाराय सतां विभूतयः।

[iii] ब्रह्मचारिणो दिनकृत्यानि।

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय (कांगड़ी)

(क)

वार्षिक परीक्षा १९६६

संस्कृत साहित्य प्रश्नावली।

सप्तम श्रेणी

समयो घण्टाद्वयम् पूर्णाङ्काः ४०

(चम्पूरामायणं)

(१) किन्नाम चम्पूत्वम् ? कथञ्चात्र लक्ष्ये तल्लक्षणसमन्वयः? कश्चास्य प्रणेता? का च काव्याध्ययने सिद्धिः? कानि च सकलानि काव्य सम्पादने प्रयोजनानि ? काण्ड शब्दार्थश्चकः? अपि च पञ्चतन्त्रादौ चम्पूत्व मिति सङ्गच्छते नवा ? तत्र च का युक्तिः ? इति सकल मविकल माकलय्य सङ्कलनीयम् ॥ ४

(२) अधोनिर्दिष्ट गद्यपद्य प्रबन्धः साभिप्रायं व्याख्याय-ताम् ?—आख्यायताश्च रेखालेखाङ्कित पदप्रकृतिप्रत्य-यप्रविभागः, १०

रामे बाहुबलं विवृण्वति धनुर्वंशे गुणारोपणं,
मा भूत्केवल मात्मना तिलकिते वंशेऽपि वैकर्तने ।
आकृष्टं नितरां तदेव न परं सीता मनोऽपिद्रुतं,
भङ्गस्तस्य न केवलं क्षितिभुजां दोःस्तम्भदम्भस्यच ॥

वाचं निशम्य भगवान् स तु नारदस्य,
प्राचेतसः प्रवचसां प्रथमः कवीनाम् ।
माध्यन्दिनाय नियमाय महर्षिसेव्यां,
पुण्यामथाप तमसां तमसां निहन्त्रीम् ॥ २
एतेऽपि पावका रूढ़ि शङ्कावहां कुत वहारव्यां वहन्त
स्तद्गृहे गार्हपत्यपुरोगाः पौरोगवधुरं दधते ।

(३) अधो लिखितानि पद्य गद्य शकलानि सकलानि साधु रीत्या टीक्यन्ताम् ? ४

(क) एतौ कुमारौ रघुवीर वृत्तं यथाक्रमं गातु मुपाक्रमेताम् ।

(ख) असुरसमरवेलाजातबाधावसाने । स्वगृह पटली धुर्यस्तम्भं विधातु-मना इव । अस्मान नाश्रिततपोवनभूमिभागान् । कृतासमञ्ज-सनिर्यासम् ।

(ग) सोऽयं माता मह्नेन युधा जिता चानुज्ञातः कतिपयै रेव दिनै रनिमिस सम्पातेन सातङ्कः साकेत माससाद ।

(क) इत्यत्र पूर्वापरअसङ्गसङ्गतिं सङ्गमय्य—“ शाश्वतीः समाः ” इत्यत्र च सप्रमाणं विभक्त्यर्थो निरूपणीयः ।

(ख) अत्र रेखाङ्कितानि यानी मानिपद जातानि, तानि च सकलानि विग्रहीतव्यानि, अपिच येषा मेतानि विशेषणानि, प्रकाशनीयानि खलु तानि विशेष्यपदानि, ? २

(ग) सोऽयमिति कस्य परामर्शः, ? “आससाद”—इत्यत्र च या प्रकृति स्तस्या लिटि-लृटि-लुङि च प्रथम पुरुषैक वचने कीदृग् रूपम् ? २

(प्रसन्न राघवे)

(४) अधो लिखित गद्यार्थो गीर्वाण गिरा विधेयः ? ४
आकर्णितं मया हि मिथिला मागतो लङ्केश्वर इति ।

अतस्तस्त्रिलोकनाथ प्रथम मिहागतः ।
अधुना च ताटका वनं यास्यामि ।
तत्कथय तावद् भवान् पुनः कतरः ॥

(५) निम्ननिर्दिष्ट श्लोकद्वयं व्याख्याय—प्रथमे किं वृत्तं ?
द्वितीये को वक्ता ? इति च प्रकाशयताम्, ८
कर्णे निधाय च पिधाय च कण्ठ पीठे,
धृत्वा च मूर्धनिनते हृदये च कृत्वा ।
चोरापहार चकितेन चिरं मयैव,
त्वत्सूक्ति मौक्तिकगणः परिरक्षणीयः ॥
मन्मनः कुमुदानन्द शरत्पार्वणशर्वरी ।
अहो इयमितो नूनं पुनरप्यभिवर्तते ॥

(६) अधस्तन प्राकृतमिदं गीर्वाण वाण्यां परिवर्तनीयम् ५
जदि एरिसो तुमं ता किंति णिअरूअं संगोविअ चोरा
इव प्रविट्ठोसि । वअस्स वामणाअ, दाणिं सअल गुण
संजुत्तोसि तुमं । हला, इमं कुमारं पुलो अन्तीए मह
वच्छा उम्मिला चित्त मारुहदि ।
गौरीशङ्कर शास्त्री

ओ३म्

गुरुकुल महाविद्यालय कांगड़ी।

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन सं० १९६६

(महाभाष्याष्टाध्याय्यौ)

सप्तम श्रेण्याः

व्याकरण पत्रम् ।

समयो ३ घं० पूर्णाङ्काः ४०

(१) शब्दानुशासनस्य सामान्य प्रयोजनानि सविस्तरं लिख, भूयः प्रयोजनानि च द्वे त्रीणि वा ॥ ५

(२) किं शब्दज्ञाने धर्म आहोस्वित् प्रयोग इति व्याख्याय-शब्दोपदेशः कार्यः, अथापशब्दोपदेशः, अथोभयोपदेशः, इति संक्षेपेण व्याख्यानीयः सिद्धान्तश्च दर्शनीयः। ५

(३) किमर्थं लृकारोपदेश इति दर्शयित्वा, वर्णैकदेशावर्ण-ग्रहणेन चेत्सन्ध्यक्षरे समानाक्षरविधिप्रतिषेध इति सोदाहरणं व्याचक्ष्व ॥ ४

(४) इकोगुणवृद्धीइति सूत्रे किंपुनरयमलोन्त्यशेष आहो स्विदलोन्त्यापवादइति पक्षद्वयं सम्यङ् निरूप्य सिद्धान्तं स्थापय ॥ ५

(५) क्ङितिचेति सूत्रे तन्निमित्तग्रहणस्य फलं सविवादं निरूपय ५

(अष्टाध्याय्यां प्र०)

(६) अचः परस्मिन् पू०, नपदान्तद्विर्व०, शदेः शितः, स्पृहे-रीप्सितः, द्विगुश्च, उपोत्तमं रिति, षष्ठी प्रत्येनसी, सप्तम्याः पुण्यम्, एषां वृत्तयउदाहरणानि च लेख्यानि। १२

(७) वृक्षेभ्यः, वायवः, जचिनति, पचेते, त्वत्पुत्रः, एषाँ सिद्धयो लेख्याः
गोकर्णः, अमरः, त्रिस्तना, एषाँ स्वराश्च ॥ ४

(८) अमीषां छात्राणां विद्याधरः पटुः, नेतव्यमिदं प्रभुणा प्रभोर्वा। छात्रेषु पठत्स्वागतः एषुकेनसूत्रेण का विभक्ति-र्विहिता।

पूर्वकायः नीलोत्पलम् अनयोः केनसूत्रेण कः समासः ॥ ५

(९) शतमपजानाति देवदत्तः, साधुर्विक्रामत्यश्वः, कव्येतौ सुन्दरं काव्यं रचयतः, शब्दमुच्चराति छात्रः।
शुद्धीकुरु वाक्यानीमानि ॥

ओ३म् ॥

॥ गुरुकुल विद्यालय काङ्गड़ी ॥

आर्य्यभाषा ।

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन सं० १९६६

षष्ठ श्रेणी

समय १½ घंटा | पूर्णाङ्क ४०

(१) निम्न लिखित शब्दों के अर्थ सरल आर्य्यभाषा में लिखो ।
खद्योत, अहिवात, कोदण्ड, अरुणाई, अधर । ५

(२) निम्न लिखित दोहों और चौपाइयों के अर्थ सरल आर्य्य भाषा में लिखो ।

सुनहु भानुकुल केतु, जाम्ववंत कर जोरि कह । १
नाथ नाम तव सेतु, नर चढ़ि भव सागर तरहिं ॥ १
सेतुबंध भइ भीर अति, कपि नभ पंथ उड़ाहिं । १
अपर जलचरह्न उपर चढ़ि, विनु श्रम पारहिं जाहिं ॥ १
नारि पाइ फिरि जाहिं जो, तौ न बढ़ाइय रार । १
नहिं तो संमुख समर महँ, नाथ करिय हठ मार ॥ १
परम रम्य सुन्दर यह धरणी । महिमा अमित जाइ नहिं वरणी ॥ १
करिहौं इहां शंभु थापना । मोरे हृदय परम कल्पना ॥ १
तब रावण मयसुता उठाई । कहै लाग खल निज प्रभुताई ॥ १
सुन तैं प्रिया मृषा भय माना । जग योधा को मोहिं समाना ॥ १
तहँ तरु किसलय सुमन सुहाये । लक्ष्मण रचि निज हाथ डसाये ॥ १
तापर रुचिर मृदुल मृग छाला । तेहि आसन आसीन कृपाला ॥ १

(३) सेतु बँध जिन वानरों ने बांधा था उन के नाम लिखो। १

(४) रामायण में जो वानर राक्षस शब्द आये हैं इन से तुम क्या समझते हो। २

(५) निम्न लिखित शब्दों में कौन से समास हैं उन का विग्रह भाषा में लिखो।

लंकाशिखर, प्रियवाणी, सेनापति, कंचनगिरिकंदर ५

(६) सूर्य्य पर एक प्रस्ताव लिखो जो २० पंक्ति से कम न हो १५

* ओ३म् *

गुरुकुल विद्यालय (काङ्गड़ी)

वार्षिक परीक्षा सं० १९६६

६ ष्ट श्रेणी

इतिहास

समय १½ — अंक ५०

(१) ब्राह्मणग्रन्थ कौन २ से हैं ? उन का वेदों से परस्पर सम्बन्ध क्या है ? और यह भी लिखो कि यास्कीय निरुक्त और ब्राह्मणों में से कौन पीछे बना और क्यों ? — ८

(२) यज्ञ किसे कहते हैं ? पांच महायज्ञों की व्याख्या करो । — ११

(३) चार वेद मन्त्र अर्थ सहित देकर वेदों की उच्चशिक्षा का नमूना दिखाओ । — १०

(४) प्रबल युक्तियों और प्रमाण द्वारा सिद्ध करो कि प्राचीन आर्य्य इतिहास से अनभिज्ञ न थे । — ८

(५) सिद्ध करो कि वेद ही ईश्वरीय ज्ञान हो सक्ता है । — ५

(६) "जिस जाति को अपने पुरुषाओं के महान कार्य्यों का अभिमान नहीं वह उन्नत नहीं हो सकती" इस कथन की व्याख्या करो । — ८

ओ३म्

गुरुकुल महाविद्यालय (काङ्गड़ी)

वार्षिक परीक्षायाम् सं० १९६६

६ष्ठ श्रेणी भूगोल

समय १½ घंटा　　　　　　　　　　　　　　　　　　पूर्णाङ्क ४०

I. योरोप के देशों में राज्य प्रबन्ध किस प्रकार का है ॥ इस का प्रभाव उन देशों के निवासियोंपर कैसा पड़ रहा है ॥　　७

II. फ्रांस के बड़े बड़े नगर लिखो । और बताओ कि वह कहां स्थित हैं । और क्यों प्रसिद्ध हैं ॥　　७

III. रूस–जर्मनी--स्पेन (हसपानिया) इन की जल वायु और उपज लिखो ॥　　६

IV. निम्न लिखित क्या है, कहां है ? और यदि इनमें से कोई किसी विशेष कारण से प्रसिद्ध हो तो वह भी लिखो ॥
ग्रेनाडा (गरनात), अजेशियो, एब्रो, जनीवा, पिरीनीज़, गेन्ट, प्रेग, ड्रेसडन, कार्पेथिन, म्यूनिक, हैनोवर-विलना, रीगा, बिसके, ओनीगा, हेक्ला ।　　१०

V. योरोप चित्र खींचो और इस में नदियां और द्वीप दिखाओ । वा नदियां और द्वीप लिखते हुये बताओ कि वे किन देशो में हैं । वा किन के अधीन हैं　　१०

* ओ३म् *

॥ गुरुकुल विद्यालय काँगड़ी ॥

वार्षिकपरीक्षा फाल्गुन १९६६

षष्ठ श्रेणी ।

आलेख्य (Drawing)

समय २½ घंटा पूर्णांकः १५

I. १– एक दिये हुए बिन्दु से जो एक दी हुई रेखा में है लम्ब खैंचो १

२– बिना मालूम करने कौन बिन्दु के दो असमानान्तर रेखाओं के कोन के दो सम भाग करो १

३– एक सम द्विबाहु त्रिभुज बनाओ जिस का आधार और शीर्ष कोन दिए हुए है । २

४– एक त्रिभुज बनाओ जिस की उंचाई और दो भुजाएं दी हुई हैं । १½

५– एक दिए हुए आधार पर त्रिभुज बनाओ जिस के कोनों में ३ : ४ : ५ है । १½

II. जो चित्र तुम्हारे सामने रखा गया है उस की अपने काग़ज़ पर बड़ी से बड़ी कापी करो ५

III. जो माड़ल तुम्हारे सामने रखा गया है उस का नक़शा (out lines) में बनाओ । ३

नोट १—I के लिए ४० मिनट II के लिए एक घंटा, III के लिये ५० मिनट मिलेंगे ।

२—शक्लें साफ़ हों ।

॥ ओ३म् ॥

गुरुकुल विद्यालय कांगड़ी

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९६६

छष्ठ श्रेणी

समय ३ घंटे　　　　अङ्क गणित　　　　नं० ७८

[१] ३४५३) को तीन मनुष्यों में ७, ६, ५ के समानुपातों से बांटो　७

[२] १ बोरी में ५ मन २७ सेर ८ छटांक वस्तु आती है तो ३४१ बोरियों में कितनी आवेगी व्यवहार गणित से

[३] १५७७॥=) ८ पाई कितने रु० सैकड़ा वार्षिक दर पर दिए जावें कि २५ वर्ष में २९५८=) हो जावें　७

[४] क एक काम ८ दिन में ख १२ दिन में ग १६ दिन में कर सकता है तीनों ने मिल कर काम आरम्भ किया क काम समाप्त होने तक लगा रहा और ख ने काम समाप्त होने से २ दिन पहिले और ग ने ३ दिन पहले काम छोड़ दिया तो सारा काम कितने समय में समाप्त हुआ　८

[५] जब गेहूं २॥) मन हों तो १० मनुष्यों का १२ दिन तक कुछ धन में निरबाह हो सकता है तो जब गेहूं ३) मन हों तो ४ दिन तक कितने मनुष्यों का निरबाह होगा　७

[६] एक कमरा जो भीतर से ४२ फीट ६ इं० लम्बा २२ फीट ९ इंच चोड़ा है जिस की दीवारें २ फीट ३ इंच मोटी हैं एक १० फीट ६ इंच चौड़े बरामदे से घिरा हुआ है इस बरामदे को

खपरैल से पाटने का खर्च निकालो प्रत्येक खपरैल ४$\frac{१}{२}$ इंच लम्बी ३ इंच चौड़ी है और प्रत्येक का मोल ६ पाई है — ८

[७] १२५००) का २$\frac{१}{२}$ वर्ष का ५) प्रति सैकड़ा वार्षिक दर से चक्र ब्याज निकालो ब्याजषाण्मासिक गिना जायेगा — ७

[८] एक नगर की मनुष्य संख्या पहले वर्ष १२$\frac{१}{२}$ प्रति सैकड़ा बढ़ी दूसरे वर्ष ३$\frac{१}{८}$ प्रति सैकड़ा घटी दूसरे वर्ष के अंत में ३५७१२ मनुष्य थे तो पहले वर्ष के आरम्भ में कितने मनुष्य थे — ८

[९] [क] ५७७'४४०९ का वर्ग मूल निकालो और ९९४५ तथा ५० ६०९ का महत्तम — ४

[ख] '३४५६ को '२२७६ से भाग दो और $\frac{३}{५०}$ को दशम लव में लाओ — ४

[१०] एक समाज के हरेक सभासद् ने कुल सभासदों की संख्या से दो गुनी पाईयां चन्दा दिया तो ४१।-) ६ पाई चन्दा प्राप्त हुआ तो उस समाज के सभासद कितने हैं — ८

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय कांगड़ी

वार्षिक परीक्षा (फाल्गुन सं० १९९६)

षष्ठ श्रेणी

पदार्थ वि० मौखिक

पूर्णाङ्काः २५

I. वक्रा नली को पहचानो–परीक्षण कर के क्रिया समझाओ। ६

II. शतांश तापमापक को पढ़ो और इस के तापअंश को 'फारनिहाइट' में परिवर्तित करो। ६

III. ताल (Double convenless) और मोमबत्ती से बत्ती की छोटी और बड़ी तसवीरें बना कर दिखाओ। ६

IV. सुवर्ण पत्र विद्युत दर्शक (Gold Leaf Electroscape) में उपपादन क्रिया द्वारा धनात्मिक विद्युत भरो। ७

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय (कांगडी)

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९६६

६ष्ठ श्रेणी पदार्थ विद्या भौतिकी

समय ३ घंटा . पूर्णाङ्क ७५

I. बड़ी बड़ी प्राकृतिक शक्तियों के नाम लिखो और उन के उदाहरण भी दो। ६

II. कठोर, द्रव्य, और गैसों के लक्षण करो। और प्रत्येक गुण भी गिनाओ। ६

III. किसी परीक्षण से सिद्ध करो कि जब दबाव ऊपर और नीचे बराबर होता है। उन यंत्रों के नाम लिखो जो जल के भिन्न भिन्न गुणों पर निर्धारित हैं। ६

IV. आर्मीडीज़ का नियम बताओ और दैनिक व्यवहार में उस की उपयोगिता भी द्रव्यों का आपेक्षिक गुरुत्व मालूम करने की विधि बताओ।
एक पीतल की मूसली का भार वायु में ४० (gr) ग्रैम है और शुद्ध जल में ३० ग्रैम और खारी जल में तोलने पर १३ ग्रैम घट जाता है तो मूसली और खारी जल आपेक्षिक गुरुत्व निकालो। १०

V. जिल निष्काशक की नियम बताओ और उस की क्रिया चित्र देकर समझाओ। ८

VI. किसी परीक्षण से सिद्ध करो कि शब्द का प्रतिक्षेप होता है और दैनिक व्यवहार में इस के उदाहरण भी दो। ७

VII. सिद्ध करो कि कोई जलाशय सर्दी में सर्वथा नहीं जम सक्ता इस भौतिक घटना के लाभ भी लिखो। ७

VIII. किसी परीक्षण से स्पष्ट करो कि प्रकाश की किरनों का विचलन होता है। प्राकृतिक संसार से इस में कुछ उदाहरण भी दो।

IX. ताल के प्रयोग लिखो।

चित्र खींच कर दिखाओ कि यदि एक जलती हुई बत्ती एक ताल के फोकस (Focus) और केन्द्र बिन्दु के बीच में रक्खी जाये तो उस की तसवीर (प्रतिबिम्ब) कहां होगी और कैसी होगी। १०

X. उपपादन क्रिया किस को कहते हैं परीक्षण कर के समझाओ—सुवर्ण पत्र विद्युत दर्शक का वर्णन करो और उस को धनात्मिक से भरने की क्रिया (उपपादन द्वारा) लिखो। ६

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय (काङ्गड़ी)

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९६६

षष्ठश्रेणी

सं० साहित्ये (ख) पत्रम्

समयश्च होराद्वयम् पूर्णाङ्काः ३५

१ संस्कृतेऽनूद्य निम्नलिखित संदर्भः—

जब दूसरों से मिलो, प्रसन्न हो कर मिलो। जो तुम से बड़े हैं, उन को देख कर नमस्ते वा प्रणाम करो; उन के सामने सभ्यता से बैठो, अर्थात् उन से ऊंचे आसन पर वा उन की ओर पीठ करके कभी न बैठो और उन से नम्रता से वार्तालाप करो।

सदा सावधान रहो, क्योंकि समय थोड़ा और काम बहुत है। प्रतिदिन अपने कामों की गणना करो और विचारो कि उस दिन तुमने क्या खोया और क्या पाया। जिस दिन कोई नई बात न सीखी हो, समझो कि वह दिन व्यर्थ गया। १३

२ निम्नलिखितंचापि संस्कृतेऽनूद्यताम् :—

एक गीदड़ किसी तालाब के किनारे ठैरा रोता था। केंकड़े भी उस तालाव के किनारे पर रहते थे। वे उस के रोने को सुन कर पूंछने लगे कि तू क्यों रोता है। गीदड़ बोला कि चूंकि मैं अपने सम्बन्धियों से बन के से बाहिर कर दिया गया हूं अतः मैं रोता हूं। केंकड़े फिर भी पूछने लगे कि तू क्यों रोता है। १०

३ निम्नलिखितेष्वेकतममालम्ब्य विंशतेरनवराभिः पंक्तिभिः प्रस्तावो लेख्यः—

i नापृष्टः कस्यचिद्ब्रूयात्

ii गुणाः पूजास्थानं गुणिषु न च लिङ्गं न च वयः।

iii अं[illegible]कृत सुकृतिनः परिपालयन्ति। १२

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय [कांगड़ी]

वार्षिक परिक्षा फाल्गुन १९६६

षष्ठ श्रेण्याः

संस्कृत साहित्य पत्र (क)

घण्टा त्रयी — पूर्णाङ्काः

तदीयमाक्रन्दितमार्तसाधोर्गुहानिबद्धप्रतिशब्ददीर्घम् ।
रश्मिष्विवाऽऽदाय नगेन्द्रसक्तां निवर्तयामास नृपस्य दृष्टिम् ॥ १ ॥

तस्यानीकैर्विसर्पद्भिरपरान्तजयोद्यतैः
रामास्त्रोत्सारितोऽप्यासीत्सह्यलग्न इवार्णवः ॥ २ ॥

तं भूपतिर्भासुर हेमराशिं लब्धं कुबेरादभियास्यमानात् ।
दिदेश कौत्साय समस्तमेव श्रृङ्गं सुमेरोरिव वज्रभिन्नम् ॥ ३ ॥

सोऽहं भीष्मं निहन्म्यद्य पाण्डवार्थाय दंशितः
भारमेनं विनेष्यामि पाण्डवानां महात्मनाम् ॥ ४ ॥

निहत्य सर्वान् धृतराष्ट्रपुत्रान् तत्पाक्षिका ये च नरेन्द्रमुख्याः ।
राज्येन राजानमजातशत्रुं सम्पादयिष्याम्यहमद्य हृष्टः ॥ ५ ॥

सम्मोहश्चैव तुमुलः कुरूणामभवत्तदा ।
कृपदुर्योधनमुखा निःश्वस्य रुरुदुस्तदा ॥ ६ ॥

सीमावृक्षे निपतिते कुरूणां समितिञ्जये ॥
सेनयो रुभयो राजन् क्षत्रियान्भयमाविशत् ॥ ७ ॥

अनुमान्य महात्मानं भारतानां महारथम् ।
त्रिभिस्तीक्ष्णैर्महावेगै रन्वगृह्णाच्छिरः शरैः ॥ ८ ॥

एतेश्लोकाः प्रकरणं प्रदर्श्य व्याख्येयाः ।

ओ३म्

गुरुकुल विद्यालय (कांगड़ी)

वार्षिक परीक्षा फाल्गुन १९८६

अष्टाध्याय्या आद्येषु चतुर्ष्वध्यायेषु प्रश्नाः
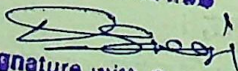
षष्ठ श्रेण्याः

समयो घण्टात्रयमितः । पूर्णाङ्काः ५०

(१) उरण् रपरः । स्थाघ्वोरिच्च । प्रहासे च मन्योपपदे मन्यते रुत्तम एकवच्च । वृत्तिसर्गतायनेषु क्रमः । आख्यातोपयोगे । प्राग्रीश्वरान्निपाताः । पारेमध्ये षष्ठ्या वा । केनाहोरात्रावयवाः केन नञ्विशिष्टेनानञ् । एकविभक्ति चा पूर्वनिपाते । एषां सूत्राणां सकलानि पदानि विभज्य वृत्तयोल्लेख्याः । १०

(२) लावझा, आवधिषोष्ठ, वरणाः, मल्लमाह्वयते, उत्तिष्ठते. विरमति, घनश्यामः, राज्ञाम्मतः, कुपुरुषः, उपहृतपशुः, एतानि तत्तत्सूत्रनिर्देशन पुरस्सरं साधय । १०

(३) अपत्रिगर्तेभ्यो वृष्टोदेवः; सर्पिषोऽपि स्यात्, ससखि, सतृणम्, पौर्वशालः, सत्तर्षयः, एषु केन २ शास्त्रेण किं किं विशेष कार्यमिति निरूप्य, विकरोतिपयः, सुष्टुतम्, बोधयते, इमानि साधूनि नवेति स प्रमाणं वद । १०

(४) अधासीत्, पयायते, चिकीर्षति, बोभूयते, धिनोति, यजमानः । पतिवत्नी, एनी, कठी, वैयाकरण, एतानि विशदं व्याकुरु । १०

(५) मनुः, मृगयुः, किल्विषम्, सलिलम् सेतुः, रामठम्, मृणालम्, अश्वः, मघवा, ओम्, एतानि तत्तत्समस्त सूत्रोल्लेख, प्रकृति, प्रत्यय, व्युत्पत्ति पुरस्सरं साधनीयानि, । १०